NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.| B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 14 अंक: 106 लखनऊ, रविवार 01 दिसंबर 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

सत्ता के भूखे लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं, विपक्ष पर बरसे पीएम मोदी, कहा- 2019 में जो चौकीदार...

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पहले दिन से देश की जनता किसी और को आशीर्वाद दे, इसका गुस्सा उन्हें देश की जनता पर भी है। इस स्थिति ने उनके अंदर इतना गुस्सा भर दिया है कि वो देश के खिलाफ साजिश करने में जुटे हैं।

नई दिल्ली 29 नवम्बर (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन दिनों के लिए ओडिशा के दौरे पर हैं। भुवनेश्वर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो आपकी आंखों में मैं देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि पहले ओडिशा, फिर हरियाणा, और अब महाराष्ट्र! यही तो बीजेपी की विशेषता है। यही तो बीजेपी के कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है।मोदी ने कहा कि चुनाव से कुछ महीने पहले तक बड़े–बड़े पॉलिटिकल एक्सपर्ट ओडिशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। ये लोग कह रहे थे कि ओडिशा में भाजपा इतनी बड़ी ताकत बन ही नहीं सकती कि वो अपने बलबूते पर सरकार बना लें। लेकिन जब परिणाम आए, तो लोग हैरान हो गए। क्योंकि ओडिशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठते हुए भी ओडिशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो ओड़िशा के घर–घर पहुंच चुका था।नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजनीति में नीतिगत विरोध बहुत स्वाभाविक है। किसी भी निर्णय को लेकर अलग–अलग मत हो सकते हैं। राजनीतिक दल अपनी बात जनता के बीच पहुंचाने के आंदोलन भी करते रहते हैं। लोकतंत्र और संविधान की मर्यादा में रहकर अपने विचार भी प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से एक बहुत बड़ा बदलाव आप सब महसूस कर रहे होंगे। भारत के संविधान की भावनाओं को कुचल दिया जाता है, लोकतंत्र की सारी मान–मर्यादाओं को अस्वीकार किया जाता है। जो लोग सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं उनके पास केंद्र की सत्ता पिछले 1 दशक से नहीं है।प्रधानमंत्री ने कहा कि अब पहले दिन से देश की जनता किसी और को आशीर्वाद दे, इसका गुस्सा उन्हें देश की जनता पर भी है। इस स्थिति ने उनके अंदर इतना गुस्सा भर दिया है कि वो देश के खिलाफ साजिश करने में जुटे हैं। ये लोग अपना गुस्सा जनता पर ही निकालने लगे हैं। उन्होंने कहा कि देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए उन्होंने लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। उनकी झूठ और अफवाह की दुकान 50–60 साल से चल रही है। अब उन्होंने इस अभियान को और तेज कर दिया है।मोदी ने कहा कि ऐसे में जागृत नागरिकों के लिए, भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए, जो देश को प्यार करते हैं जो संविधान का सम्मान करते हैं उनके लिए ऐसे लोगों की हरकतें, इरादे और उनके कारनामे बहुत बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। इसलिए मैं सभी देशवासियों से कहना चाहूंगा कि हमें हर पल सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को बेनकाब करना है। उन्होंने कहा कि सत्ता के भूखे ये लोग जनता से सिर्फ झूठ बोलते आए हैं। जब इनका एक झूठ लोगों पर काम नहीं करता, तो उससे बड़ा दूसरा झूठ ये घड़ते हैं। ये अपने कार्यकर्ताओं को भी झूठा दिलासा देने के लिए यही करते हैं।मोदी ने कहा कि 2019 में जो चौकीदार उनके लिए चोर था, 2024 तक आते–आते वो ईमानदार हो गया और एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं कह पाए। इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करने सत्ता पर

चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखती है बीजेपी : योगी

भाजपा दफ्तर में हुआ एनडीए गठबंधन के नवनिर्वाचित विधायकों का अभिनन्दन
2027 में प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ खिलेगा कमल

लखनऊ,29 नवम्बर (एजेंसी) भारतीय जनता पार्टी सके राज्य मुख्यालय पर आज विधानसभा उपचुनाव में विजयी एनडीए गठबंधन के 07 विधायक का अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने नवनिर्वाचित विधायकों का अभिनंदन किया। समारोह में भाजपा और सहयोगी दल रालोद के विजयी विधायकों को बधाई दी गई। मीरापुर से मिथिलेश पाल रालोद, कुंदरकी से भाजपा विधायक रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र दिलेर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद और मझवां से सुचिष्मिता मौर्य का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, आरएलडी के वरिष्ठ नेता व कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार सहित अन्य वरिष्ठ नेता व पार्टी पदाधिकारी उपस्थित थे।कार्यक्रम संचालन प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान ने किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव में विजयी नवनिर्वाचित विधायकों के अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं, मंत्रियों और पदाधिकारियों को उपचुनाव के दौरान मिले दायित्वों को लेकर की गई कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीम भावना और एकजुटता से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनाव में बीजेपी को मिली प्रचंड जीत से विपक्षी दल भयभीत हो गये हैं। वो अब बस आरोप ही लगा सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इससे भी बड़ी जीत हासिल करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन और नेतृत्व में एनडीए ने हरियाणा में हैट्रिक लगाई, महाराष्ट्र में भारी बहुमत हासिल किया और उत्तर प्रदेश उपचुनाव में 9 में 7 सीटों पर विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने चुनाव से पहले ही सात सीटें जीतने की रणनीति बनाई थी, जिसे संगठन और कार्यकर्ताओं ने जमीन पर उतारकर सफल बनाया। योगी ने कुंदरकी और कटेहरी जैसी कठिन सीटों पर जीत को पार्टी की रणनीति और कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि जहां लोग जीत की संभावना पर सवाल उठाते थे, वहां बीजेपी ने न केवल जीत हासिल की बल्कि अपनी स्थिति और मजबूत की। कुंदरकी में 1.45 लाख वोटों से रिकॉर्ड तोड़ जीत इसका उदाहरण है।मुख्यमंत्री ने पार्टी की विचारधारा और कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण पर जोर देते हुए कहा कि बीजेपी हर चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखती है। उन्होंने सातों विधानसभा में मिली जीत को कार्यकर्ताओं और नेताओं के मजबूत प्रयास का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए यह जीत विपक्ष के मन में भय उत्पन्न करेगी। हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा और सघन जनसंपर्क के माध्यम से सरकार की योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा। इससे 2027 में हमारी सफलता और बड़ी होगी। मुख्यमंत्री ने खैर विधानसभा से विजयी सुरेंद्र दिलेर के पिता पूर्व सांसद और पूर्व विधायक राजवीर सिंह दिलेर का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी हमेशा अपने कार्यकर्ताओं के परिवार के साथ खड़ी रहती है।

तो 5 दिसंबर को होगा शपथ ग्रहण! अमित शाह के साथ बैठक के बाद भी नए सीएम पर सस्पेंस जारी

भाजपा गृह सहित प्रमुख विभागों पर महत्वपूर्ण रूप से बातचीत कर रही है, जो उसके चुनावी प्रभुत्व के बाद नियंत्रण को मजबूत करने के इरादे का संकेत देता है। अभी तक आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं है कि महाराष्ट्र कैबिनेट में किसे क्या मिलेगा।

नई दिल्ली 29 नवम्बर (एजेंसी) भले ही महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री चेहरे के नाम पर सस्पेंस जारी है। वहीं, अब अटकलें तेज हो गई हैं कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 5 दिसंबर को आजाद मैदान में होगा। सीएम की रेस में अब भी देवेंद्र फडणवीस आगे हैं। एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को दो प्रमुख बैठकें रद्द कर दीं और सूत्रों की मानें तो वह अपने गांव सतारा के लिए रवाना हो गए हैं। विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा प्रचंड बहुमत हासिल करने के बाद महाराष्ट्र में अगली सरकार के लिए सत्ता–साझाकरण समझौते को तैयार करने के लिए शिंदे ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के साथ गुरुवार देर रात शाह और नड्डा से मुलाकात की।रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीजेपी में पुराने और नए चेहरों को मिलाकर 17 कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के नौ कैबिनेट मंत्री और अजित पवार की एनसीपी के सात कैबिनेट मंत्री हो सकते हैं। एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को कहा कि गुरुवार रात राज्य में सरकार गठन के मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के साथ उनकी अच्छी और सकारात्मक चर्चा हुई। मुंबई रवाना होने से पहले नई दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री पर फैसला राज्य की राजधानी में महायुति गठबंधन की एक और बैठक में एक या दो दिन में लिया जाएगा।भाजपा गृह सहित प्रमुख विभागों पर महत्वपूर्ण रूप से बातचीत कर रही है, जो उसके चुनावी प्रभुत्व के बाद नियंत्रण को मजबूत करने के इरादे का संकेत देता है। अभी तक आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं है कि महाराष्ट्र कैबिनेट में किसे क्या मिलेगा। दिल्ली में देवेन्द्र फड़णवीस, एकनाथ शिंदे, अजीत पवार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच एक निर्णायक बैठक का उद्देश्य लंबित मुद्दों को हल करना था।कई रिपोर्टों से पता चलता है कि उन्हें उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया जा सकता है या केंद्रीय भूमिका की पेशकश की जा सकती है। हालाँकि, शिवसेना सूत्रों के हवाले से अन्य रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि वह राज्य मंत्रिमंडल में बने रह सकते हैं।

बीडीएस में लेना चाहते है दाखिला...? तो चंद्रा पोस्ट ग्रेजुएट डेंटल कालेज एंड हॉस्पिटल में जरूर विजिट करे!

लखनऊ रूउत्तर प्रदेश में बहुत से ऐसे छात्र हैं, जिनका सपना डेंटिस्ट बनने का होता है. छात्रों की तमन्ना यही होती है कि वे डेंटिस्ट बनकर मुस्कुराहट में सुधार और मरीजों का आत्मविश्वास बढ़ा सकें. ऐसे में इन सभी छात्रों की यही चाहत रहती है कि वे देश के बेहतर विकल्प है जहां पर पढ़ाई के साथ साथ दांत से जुड़े हुए हर तरह की बीमारी का इलाज बहुत ही सस्ते रेट में किया जाता है। यहां सुयोग्य डॉक्टर मरीजों का ईलाज अत्याधुनिक विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त डेंटल उपकरण कैड कैम जिरकोनिया डिजाइनिंग ऐंड खूबियों के लिए प्रसिद्ध है। इस कॉलेज की स्थापना सन् 2003 में हुई थी। यह कॉलेज अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ उत्तरप्रदेश से एफिलिएटेड और डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया न्यू दिल्ली से रिकॉग्नाइज्ड है। यहां बीडीएस और एमडीएस कोर्स के साथ पढ़ने वाले सभी स्टूडेंट को दांत के मरीजों को इलाज के लिए तैयार किया जाता है। यहां फर्स्ट इयर से ही स्टूडेंट को मरीज की बेसिक इलाज करने की ट्रेनिंग शुरू कर दी जाती है और कोर्स कंप्लीट करते करते सभी स्टूडेंट मरीजों की दांत से जुड़ी हर तरह से इलाज करने के योग्य हो जाता है। यहां स्टूडेंट देश के लखनऊ में स्थित है।

जो कैंडिडेट नीट यूजी 2025 की तैयारी कर रहे है. .. और इस कॉलेज में बीडीएस कोर्स में एडमिशन लेना चाह रहे है... तो बिल्कुल देर ना करे । कॉलेज विजिट कर या एडमिशन ऑफिस के निम्नलिखित नम्बर पर कॉल कर एडमिशन से जुड़ी

टॉप डेंटल कॉलेज से पढ़ाई करेंऔर एक अच्छा दांत का डॉक्टर बनें। मेट्रो सिटी लखनऊ मे बीडीएस की पढाई के लिए चंद्रा पोस्ट ग्रेजुएट डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल एक मिलिंग जैसी मशीन से करते है। किसी भी मरीज को दिखाने के लिए यहां निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कराया जाता है।

चंद्रा पोस्ट ग्रेजुएट डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल अपने तमाम साथ डेंटल हाइजनिस्ट और डेंटल मैकेनिक की भी पढ़ाई होती है।

बीडीएस में कुल 100 सीट है।इसमें एडमिशन देश का प्रतिष्ठित एक्जाम नीट क्वालीफाई करने पर ही होता है। यहां पर कोने कोने से ऐडमिशन लेते है।यहां पर मरीजों के आने की संख्या प्रतिदिन 500 से ज्यादा ही रहती है । यह कॉलेज दो मेडिकल कॉलेज हिंद मेडिकल कॉलेज और मेयो मेडिकल कॉलेज के मध्य अयोध्या हाईवे बाराबंकी बॉर्डर सभी जानकारी प्राप्त कर सकते है ... और शुरुआत में बीडीएस कोर्स में रजिस्ट्रेशन करने पर कुछ सीट पर मिल रहे स्कॉलरशिप का भी लाभ ले सकते है।

8447686954,6306659654

प्रदर्शन की चेतावनी, इस बार राकेश टिकैत ने सीधे पीएम मोदी को लिखा पत्र, कर दी यह मांग

नई दिल्ली 29 नवम्बर (एजेंसी) किसान नेता राकेश टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। पत्र में ऐतिहासिक उदाहरणों का संदर्भ दिया गया है जहां आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों, जैसे बैसिलस थुरिंजिएन्सिस (बीटी) कपास की शुरूआत ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। टिकैत ने किसानों के सामने बढ़ती इनपुट लागत और अप्रत्याशित जलवायु परिस्थितियों, फसल की पैदावार को प्रभावित करने और किसानों की आय में कमी सहित बढ़ती चुनौतियों को भी संबोधित किया। पत्र में, टिकैत ने बताया कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, किसानों को उनकी उपज का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक दुर्दशा और खराब हो रही है। आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलें वे पौधे हैं जिनके डीएनए को विशिष्ट वांछनीय लक्षण विकसित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से संशोधित किया गया है। इस प्रक्रिया में अक्सर अन्य जीवों, जैसे बैक्टीरिया या पौधों के जीन को फसल की आनुवंशिक संरचना में शामिल करना शामिल होता है।टिकैत ने अतीत में कुछ फसलों के खेत परीक्षण को रोकने के लिए भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) द्वारा उठाए गए कदमों को याद किया, और आज इसी तरह के खतरों के खिलाफ सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जीएम फसलों के सक्रिय विरोध के बावजूद, देश में ऐसी फसलों का अनधिकृत प्रवेश जारी है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में अकेले उतरेगी कांग्रेस, AAP के साथ गठबंधन नहीं करने का ऐलान

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होने साफ किया कि चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा।

नई दिल्ली29 नवम्बर (एजेंसी) कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार करते हुए आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पार्टी आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव में सभी 70 सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने साफ किया कि चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं होगा। यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के बारे में फैसला चुनाव के बाद कांग्रेस विधायक दल द्वारा किया जाएगा।इस महीने की शुरुआत में, ।।च प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों की तुलना महाभारत के समान श्धर्मयुद्धश से की थी। पूर्व सीएम ने जिला स्तर पर एक संबोधन में कहा, षदिल्ली विधानसभा चुनाव एक श्धर्मयुद्धश की तरह है। उनके पास कौरवों की तरह अपार धन और शक्ति है, लेकिन भगवान और लोग पांडवों की तरह हमारे साथ हैं।ष इस बीच, दिल्ली बीजेपी ने गुरुवार (28 नवंबर) को विधानसभा चुनाव से संबंधित कार्यों के लिए 43 समितियों की घोषणा की, जिनमें महिलाओं, युवाओं, एससी, ओबीसी और केंद्रीय योजना के लाभार्थियों से संपर्क के लिए अभियान शामिल हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के निर्देशानुसार समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा की गई।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अवध बार एसोसिएशन की प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप

लखनऊ(संवाददाता) के रेस क्लब में अवध बार एसोसिएशन और उच्च न्यायालय, लखनऊ के संयुक्त उपाध्यक्ष गणेश नाथ मिश्र और सचिव देवकी नंदन पाण्डेय ने एक प्रेस वार्ता आयोजित की। इस मौके पर देवकी नंदन पाण्डेय ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप लगाए। पाण्डेय ने कहा कि अखिलेश यादव लगातार सनातन धर्म और हिन्दू हितों की रक्षा करने वाले अधिवक्ताओं के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं और उन्हें निशाना बना रहे हैं।पाण्डेय ने यह भी कहा कि अधिवक्ता अपने मुवक्किल की पैरवी करते हैं और अदालत में तथ्य और कानून के आधार पर अपनी बात रखते हैं ऐसे में अखिलेश यादव का यह कहना कि वरिष्ठ अधिवक्ता हरि शंकर जैन और उनके पुत्र विष्णु शंकर जैन देश के अमन–चैन के लिए खतरा हैं, पूरी तरह से अनुचित और निंदनीय है। पाण्डेय ने विशेष रूप से अखिलेश यादव के सोशल मीडिया पोस्ट का विरोध किया जिसमें उन्होंने श्री विष्णु शंकर जैन को जनपद–सम्भल में हुई हिंसा का दोषी ठहराया था।अधिवक्ता गणेश नाथ मिश्र ने भी अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यदि कोई अधिवक्ता तर्क और कानून के आधार पर किसी मामले में न्यायालय में पक्ष रखता है, तो इसमें कुछ गलत नहीं है। लेकिन अखिलेश यादव ने इसे राजनीतिक लाभ के लिए न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया है। इस प्रकार की टिप्पणियों से अधिवक्ताओं को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं जो कि स्वयं में एक अपराध है।मिश्र ने यह भी आरोप लगाया कि अखिलेश यादव का व्यक्तिगत द्वेष श्री हरि शंकर जैन से है, क्योंकि 2013 में जब वह मुख्यमंत्री थे, तो उनके द्वारा आतंकवादियों के खिलाफ चल रहे मुकदमों को वापस लेने का आदेश दिया गया था। श्री हरि शंकर जैन ने माननीय उच्च न्यायालय में इस आदेश के खिलाफ याचिका दायर की थी, जिसके बाद अदालत ने आतंकवादियों के खिलाफ मुकदमे वापस लेने पर रोक लगा दी थी।मिश्र ने श्री जैन के काम की सराहना करते हुए कहा कि श्री हरि शंकर जैन ने देश के कई महत्वपूर्ण मामलों में न्यायालय के माध्यम से जनहित की लड़ाई लड़ी है। उन्होंने विशेष रूप से अयोध्या में श्री राम मंदिर और वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद मामले में श्री जैन की भूमिका को सराहा।उन्होंने अखिलेश यादव के इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए राज्य और केंद्र सरकार से मांग की कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, अन्यथा अधिवक्ताओं को आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

कानपुर में जी टीवी का नया शो 'बस इतना सा ख्वाब' लान्च

लखनऊ ,(संवाददाता)जी टीवी का नया शो 'बस इतना सा ख्वाब' एक प्रेरक कहानी प्रस्तुत करता है, जिसमें कानपुर शहर की झलक और इसकी संस्कृति को बखूबी दर्शाया गया है। शो में अवनी त्रिवेदी की प्रेरक यात्रा को दिखाया जाएगा, जो अपनी कड़ी मेहनत और बलिदान के साथ अपने परिवार के सपनों को पूरा करने की कोशिश करती है।शो में कानपुर के ऐतिहासिक स्थलों जैसे बिठूर घाट, मोती झील, फूल बाग, और पानी टंकी को प्रमुखता से दिखाया गया है। इसके साथ ही, शहर के प्रसिद्ध फूड हॉटस्पॉट्स जैसे ठग्गू के लड्डू, बदनाम कुल्फी और पहलवान मठे वाला भी शो का हिस्सा बने हैं, जो कहानी में बीती यादों और स्वाद का तड़का लगाते हैं।'बस इतना सा ख्वाब' एक गृहिणी की कहानी है, जो अपने परिवार के लिए लगातार काम करती है, लेकिन उसकी कोशिशों को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। अवनी अपने परिवार को एक बड़े और खूबसूरत घर में बसाने का सपना देखती है, और इसके लिए वो अपने छिपे हुए हुनर को फिर से अपनाती हैं। शो का संदेश है कि महिलाएं न सिर्फ घर संभाल सकती हैं, बल्कि वे बाहर की दुनिया में भी सफलता हासिल कर सकती हैं।राजश्री ठाकुर और योगेंद्र विक्रम सिंह, जो शो में अवनी और शिखर का किरदार निभा रहे हैं, शो का प्रमोशन करने के लिए कानपुर पहुंचे। इस मौके पर राजश्री ठाकुर ने कहा, "हमारे शो 'बस इतना सा ख्वाब' के लॉन्च के लिए कानपुर में आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। इस शहर के लोगों से मुझे ढेर सारा प्यार और समर्थन मिला है। मुझे उम्मीद है कि अवनी का किरदार देश की हर महिला को अपनी कहानियों और संघर्षों का आईना दिखाएगा।"योगेंद्र विक्रम सिंह ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, "कानपुर में अपने शो के लॉन्च के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं। यहां के जोश और रंगों से भरे माहौल में इस शो को देखना एक सपना जैसा है।"यह शो तीन दिसंबर से रोज शाम सात बजे जी टीवी पर प्रसारित होगा।

छोटे शहरों में डायबिटीज मैनेजमेंट में चुनौतियाँ, विशेषज्ञों की कमी की ओर इशारा

लखनऊ (संवाददाता)डायबिटीज दुनिया भर में एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभर रही है, और भारत में इसके मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। इंटरनेशनल डायबिटीज फेडरेशन के अनुसार, 2021 में भारत में लगभग 74 मिलियन लोग डायबिटीज से प्रभावित थे, और यह संख्या आने वाले वर्षों में और बढ़ने की संभावना है। लखनऊ में रीजेंसी हेल्थ में इंटरनल मेडिसिन के विशेषज्ञ डॉ. दुर्गा प्रसाद सिंह ने कहा, ष्छोटे शहरों में डायबिटीज का प्रबंधन कई समस्याओं का सामना करता है, क्योंकि यहाँ विशेषज्ञों और डायबिटीज शिक्षकों की कमी है। इससे मरीजों को उचित हेल्थकेयर सेवाएं प्राप्त करने में कठिनाई होती है, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। हालांकि, डायग्नोसिस सेवाओं की उपलब्धता में सुधार, बेहतर रोगी शिक्षा, और रिमोट कंसलटेशन के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग इन क्षेत्रों में डायबिटीज केयर की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है।ष्भारत में डायबिटीज के मामलों में वृद्धि के पीछे कई कारण हैं जिनमें शहरीकरण, गतिहीन जीवनशैली, अस्वस्थ आहार और आनुवंशिक प्रवृत्तियाँ शामिल हैं। टाइप 2 डायबिटीज अब केवल शहरी या समृद्ध आबादी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी फैल चुका है। इन क्षेत्रों में डायबिटीज के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है, लेकिन यहां आवश्यक स्वास्थ्य संसाधनों की कमी है।विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में डायबिटीज के उपचार में एक प्रमुख चुनौती यह है कि यहां प्रशिक्षित हेल्थकेयर पेशेवरों की भारी कमी है। जबकि सामान्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, लेकिन जटिल डायबिटीज के मामलों का प्रबंधन करने के लिए एंडोक्रिनोलॉजिस्ट की संख्या बहुत कम है। भारत में केवल 6,500 से भी कम एंडोक्रिनोलॉजिस्ट हैं और उनमें से अधिकांश बड़े शहरों में स्थित हैं। इसका परिणाम यह है कि छोटे शहरों में मरीजों को डायबिटीज से संबंधित जटिलताओं, जैसे न्यूरोपैथी, रेटिनोपैथी और किडनी डैमेज का इलाज करने के लिए आवश्यक विशेषज्ञ देखभाल प्राप्त करना कठिन होता है।इसके अलावा, डायबिटीज एजुकेटर्स और काउंसलर्स की कमी भी एक महत्वपूर्ण समस्या है। डायबिटीज का प्रबंधन केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि मरीजों को अपनी स्थिति को सही ढंग से समझने, इंसुलिन का सही तरीके से उपयोग करने, आहार में बदलाव और जीवनशैली में सुधार के लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है। बिना प्रशिक्षित डायबिटीज शिक्षकों के, छोटे शहरों में कई मरीजों को अपनी बीमारी का सही तरीके से प्रबंधन करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन नहीं मिलता, जिससे उपचार योजनाओं का पालन न होने के कारण जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है।डॉ. दुर्गा प्रसाद सिंह ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा कि यदि इन क्षेत्रों में डायबिटीज केयर में सुधार लाना है, तो सरकार और स्वास्थ्य विभाग को विशेष हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स और डायबिटीज शिक्षा कार्यक्रमों की संख्या बढ़ानी होगी।

उत्तर प्रदेश की बिजली कंपनियों के निजीकरण पर कांग्रेस का हमला, भाजपा सरकार पर जनविरोधी आरोप

उत्तर (संवाददाता)प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन और पूर्व मंत्री डॉ. सी.पी. राय ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि वह देशहित में बनी सरकारी कंपनियों, जैसे हवाई अड्डे, रेलवे, पोर्ट, जंगल, खनिज, आदि को लगातार निजी हाथों में सौंप रही है। उन्होंने विशेष रूप से प्रदेश की बिजली कंपनियों के निजीकरण को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना की।डॉ. राय ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय में स्थापित इन सरकारी उपक्रमों का उद्देश्य देश की जनता की पूंजी सुरक्षित करना और लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना था। लेकिन भाजपा सरकार इन कंपनियों को पूंजीपतियों को सौंपने में जुटी है, जो कि देश और जनता के साथ धोखा है। उन्होंने यह भी बताया कि भाजपा की पूर्व सरकारों ने नवरत्न कंपनियों के निजीकरण का काम शुरू किया था, और यह सिलसिला अब तक जारी है।डॉ. राय ने सरकार से सवाल किया कि वह प्रदेश की जनता से वसूले गए बिजली के मूल्य और फिक्स चार्जेस का उपयोग कहां कर रही है, जबकि बिजली कंपनियां घाटे में चल रही हैं। उन्होंने निजीकरण को जनविरोधी और गरीब विरोधी करार देते हुए कहा कि इस नीति को जनता कभी भी सहन नहीं करेगी।कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए थी, वह बिजली आपूर्ति को बेहतर बनाने के लिए नए बिजली घर स्थापित करती और व्यवस्था को मजबूत करती, लेकिन सरकार पूरी तरह से नाकाम साबित हुई है।

लखनऊमें बहु-विषयक अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

लखनऊ(संवाददाता), बहु–विषयक अनुसंधान और नवाचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन आज प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और उद्योग विशेषज्ञों की उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन प्दजमतदंजपवदंस प्देजपजनजम वित ैचमबपंस म्कनबंजपवद (प्प्) और इंटीग्रल एंड इनोवेटिव सस्टेनेबल एजुकेशन (प्प्) कॉलेज, कल्याणपुर, लखनऊ द्वारा किया गया।उद्घाटन सत्र में प्रमुख व्यक्तित्वों जैसे श्री संजय उप्रेती (सीनियर डेटा साइंटिस्ट – प्ठड, ै-।), प्रो. अशोक कुमार सिंह, प्रो. अमित कुमार सिंह, प्रो. एस.पी. त्रिपाठी, और सीएमडी फिरदौस सिद्दीकी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति और प्रेरणादायक भाषणों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अंतर–विषयक अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना है, साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान तलाशना भी है। इस सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सतत विकास, और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे विविध और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।सम्मेलन के उद्घाटन में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का परिचय निदेशक डॉ. अरुण कुमार शुक्ला ने दिया, और अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ. शैल मिश्रा ने किया।यह सम्मेलन कल भी जारी रहेगा, जिसमें और अधिक रोचक सत्र और चर्चाएँ आयोजित की जाएंगी।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना, स्वास्थ्य सेवाओं को बताया बदहाल

लखनऊ, (संवाददाता) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास की जगह कई क्षेत्रों में गिरावट देखने को मिल रही है, और स्वास्थ्य सेवाएं इस गिरावट का प्रमुख उदाहरण बन चुकी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाएं पूरी तरह से चरमरा गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप मरीजों की मौतें हो रही हैं और इलाज में अड़चनें आ रही हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकीय सेवाएं और प्रशासन दोनों ही नदारद हैं। अस्पतालों में सीनियर डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण रेजीडेंट डॉक्टरों पर मरीजों का इलाज करने का बोझ है। लारी कार्डियोलॉजी जैसे अस्पतालों में गंभीर स्थिति में पहुंचे मरीजों को वेंटीलेटर जैसी जीवन रक्षक सेवाएं नहीं मिल पातीं, जिसके चलते कई लोगों की जान चली जाती है।

उन्होंने अस्पतालों की अव्यवस्था पर और भी गंभीर आरोप लगाए। अखिलेश यादव ने बताया कि राजधानी के बड़े अस्पतालों में भी मरीजों और तीमारदारों को अपमान और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। उन्होंने हरदोई जिले का उदाहरण देते हुए बताया कि एक महिला प्रसव के दौरान 3 घंटे तक एम्बुलेंस के लिए इंतजार करती रही, लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिली, जिससे गर्भ में बच्चे की मौत हो गई।अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार की ष्डबल इंजनष नीति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा की सरकार के कुशासन के कारण स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी हैं।

जानकारी ही बचाव है समझो एडस को, चुनो जिन्दगी को

लखनऊ। जानकारी ही बचाव है समझो एडस को, चुनो जिन्दगी को–'ऐसे ढेरों जानकारी से भरे तथा प्रेरणादायी स्लोगन व पोस्टर के साथ विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. विंग द्वारा महाविद्यालय परिसर में प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता एवं एन.सी.सी. अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढी के नेतृत्व में पोस्टर, स्लोगन तथा संवाद के माध्यम से जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कैडेट सोनल सिंह, भूमिका पुनेठा, रिद्धिमा गिरी, कशिश गौतम, सिद्धी यादव तथा छवि पांडे संवाद के माध्यम से यह बताया कि एच.आई.वी. एडस संक्रमित सुई या सिरिंज के प्रयोग से, एडस संक्रमित रक्त चढ़ाने से, असुरक्षित यौन सम्बन्धों से, तथा संक्रमित माता से उसके होने वाले बच्चे को होता है। इसका वायरस ऐसा विषाणु है ।

उत्तर प्रदेश में आरपीआई (आठवले) का जनाधार बढ़ा, 20 हजार नए सदस्य जुड़े

लखनऊ,(संवाददाता)रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) उत्तर प्रदेश में तेजी से अपने संगठन को मजबूत कर रही है। केंद्रीय मंत्री और आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि पिछले तीन महीनों में सुहेलदेव समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी से कुल 50 नेता आरपीआई में शामिल हुए हैं। इसके अलावा राज्य के विभिन्न जिलों से 20 हजार नए सदस्यों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।वीवीआईपी गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. आठवले ने कहा कि पार्टी 2026 में जिला पंचायत चुनाव उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता के नेतृत्व में लड़ेगी। उन्होंने एनडीए गठबंधन में आरपीआई को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग करते हुए कहा कि ऐसा करने से 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को और अधिक सीटें हासिल होंगी।केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून–व्यवस्था मजबूत हुई है और गुंडागर्दी खत्म हुई है। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी ईवीएम पर सवाल उठाकर भ्रम फैला रहे हैं। अगर बैलेट पेपर से चुनाव हो, तो भी एनडीए को पहले से अधिक सफलता मिलेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास को ऐतिहासिक बताया और विपक्ष पर इसे नकारने का आरोप लगाया।आरपीआई उत्तर प्रदेश में ष्पांव–पांव, गांव–गांवष अभियान के तहत अपनी विचारधारा को हर गांव और घर तक पहुंचाने की योजना बना रही है। बैठक में डॉ. आठवले ने पदाधिकारियों को मार्च 2025 तक सभी जिलों में कार्यकारिणी का गठन करने और पार्टी का सदस्यता अभियान तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर की विचारधारा समाज के हर वर्ग को जोड़ती है और आरपीआई इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर तकरोही में आरपीआई के लखनऊ महानगर कार्यालय और निशातगंज में युवा प्रकोष्ठ कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया। डॉ. आठवले ने इन कार्यालयों को पार्टी के विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

दिल्ली में बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर आप का प्रदर्शन, गृह मंत्री से जवाब की मांग

लखनऊ(संवाददाता) राजधानी दिल्ली में कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर आम आदमी पार्टी (।।च्) ने शुक्रवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में तृणमूल कांग्रेस (ज्डब्) के सांसद भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और दिल्ली में बढ़ते अपराधों पर सदन में जवाब देने की मांग की।संजय सिंह ने आरोप लगाया कि दिल्ली अपराधों की राजधानी बन गई है। उन्होंने कहा, ष्राजधानी में हालात 90 के दशक की माफिया–प्रभावित मुंबई जैसे हो गए हैं। गृह मंत्री की मौजूदगी के बावजूद हत्याएं, बलात्कार और गैंगवॉर की घटनाएं हो रही हैं। सरकार इस पर चुप्पी साधे हुए है।ष्संजय सिंह ने संसद में अनुच्छेद 267 के तहत नोटिस देकर इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बेटियों की शिक्षा की जिम्मेदारी आम आदमी पार्टी ने निभाई, लेकिन उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है, जो इसे संभालने में विफल रही है।प्रदर्शन में शामिल सांसदों ने दिल्ली पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा कि व्यापारियों और महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। संजय सिंह ने यह भी कहा कि यह आंदोलन आगे और बड़े स्तर पर चलाया जाएगा और अन्य राजनीतिक दलों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।गौरतलब है कि दिल्ली में हाल के महीनों में अपराध की घटनाओं में तेजी आई है। व्यापारियों और महिलाओं पर हमले, धमकियां और अन्य आपराधिक वारदातें बढ़ी हैं, जिससे राजधानी के नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है।

लखनऊ में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

लखनऊ(संवाददाता) के स्मृति उपवन, बंगला बाजार में शुक्रवार को माँ गायत्री जन सेवा संस्थान और नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव के तहत सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह और गुंजन वर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।कार्यक्रम की शुरुआत नेचुरल टच वेलफेयर सोसायटी द्वारा महाराष्ट्र, बंगाल, राजस्थान और गुजरात की लोक कला प्रस्तुतियों से की गई। गणेश उपासना से शुरुआत करते हुए कलाकारों ने भारत के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक धारा का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें आर्यकन्या पाठशाला इंटर स्कूल और आरबीएन ग्लोबल स्कूल के छात्र शामिल थे।इस कार्यक्रम में तत्सत सेवा संस्थान, सीतापुर द्वारा भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। संस्थान के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए संगीत और नृत्य से दर्शकों का दिल जीत लिया। यस्वी चौरसिया ने ष्सत्यम शिवम सुंदरमष, अभय श्रीवास्तव ने ष्सुहानी चांदनी रातेंष और शिखा वर्मा ने ष्ली में आज चाँद निकलाष जैसे गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।मंच संचालन की जिम्मेदारी प्रदीप शुक्ला और मनीष पंडित ने निभाई। इस कार्यक्रम में महोत्सव समिति के सदस्य रणवीर सिंह, विनय दुबे, हेमू चौरसिया समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। महोत्सव ने भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता का बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार पर किया तीखा प्रहार, राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर उठाए सवाल

लखनऊ(संवाददाता) राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार पर राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बड़ी विफलताओं को लेकर हमला बोला। उन्होंने दिल्ली के प्रशांत बिहार में हुए आतंकी हमले को सरकार की असफलता करार दिया और कहा कि यह घटना केन्द्रीय गृह मंत्रालय की नाकामी को उजागर करती है। तिवारी ने यह भी बताया कि महज चालीस दिन पहले रोहिणी में हुए विस्फोट के बाद यह नई घटना और भी गंभीर है, जो कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को दर्शाता है।प्रमोद तिवारी ने मणिपुर में एक मासूम बच्चे की हत्या और जम्मू में आतंकवाद के बढ़ते प्रभाव का हवाला देते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से सवाल किया कि अगर वह कानून व्यवस्था को ठीक से नहीं संभाल पा रहे हैं, तो उन्हें अपनी विफलता स्वीकार करनी चाहिए।विपक्ष के उपनेता ने वायनाड से नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी के संसद में शपथ ग्रहण को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और कहा कि प्रियंका गांधी अपनी क्षमता से जनता की आवाज को मजबूती प्रदान करेंगी। उन्होंने भाजपा के मंत्री रवनीत सिंह बिटटू के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया जताई और कहा कि यह बयान पूरी तरह से राजनीतिक मर्यादा के खिलाफ था।अदाणी प्रकरण पर भी तिवारी ने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया और अमेरिका की न्यूयॉर्क अदालत में अदाणी पर रिश्वतखोरी के आरोपों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष की मांग को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और संसद में इसकी तुरंत चर्चा होनी चाहिए।धार्मिक स्थलों के सर्वे को लेकर उत्पन्न अशांति पर तिवारी ने कहा कि 1991 का धार्मिक उपासना स्थल विधेयक पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने बैलेट पेपर से चुनाव की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि सभी लोकतांत्रिक देशों में बैलेट पेपर से चुनाव हो रहे हैं और यह लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा के अनुसार होना चाहिए।

लखनऊ में जी.आई.एस. समाधान दिवस का आयोजन, 48 आपत्तियों का निस्तारण

लखनऊ(संवाददाता) नगर निगम द्वारा शुक्रवार को जी.आई.एस. सर्वे में कर निर्धारण के खिलाफ प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण के लिए समाधान दिवस का आयोजन किया गया। त्रिलोकीनाथ हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर सुषमा खर्कवाल ने की। महापौर ने शिकायतकर्ताओं की समस्याएं व्यक्तिगत रूप से सुनीं और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।कार्यक्रम में नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, सभी अपर नगर आयुक्त, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, जोनल अधिकारी और जी.आई.एस. सर्वे टीम मौजूद रही। समाधान दिवस में कुल 48 आपत्तियां प्राप्त हुईं, जिनका मौके पर ही निस्तारण किया गया। नगर आयुक्त ने खुद सभी शिकायतों की सुनवाई की और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का निपटारा पारदर्शी और शीघ्रता से किया जाए।समाधान दिवस में विभिन्न जोन से प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण किया गया। अलीगंज, निशातगंज और शारदा नगर के भवन स्वामियों ने अपने कर निर्धारण को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई थीं, जिन्हें सुनवाई के बाद संतोषजनक रूप से हल कर दिया गया।नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने कहा कि जी.आई.एस. समाधान दिवस का आयोजन हर शुक्रवार को किया जाएगा, ताकि सभी भवन स्वामियों की समस्याओं का समय पर समाधान हो सके। भवन स्वामियों ने नगर निगम की इस पहल की सराहना की और नगर आयुक्त व महापौर का आभार व्यक्त किया।इस आयोजन ने नगर निगम की नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता और समस्याओं के समाधान की प्रतिबद्धता को एक बार फिर से साबित किया है।

मुक्ति का मार्ग प्रॉंस्त करता है भगवान बुद्ध का आचरण : भिक्षु हील रतन

लखनऊ, राजधानी के सरोजनी नगर स्थित शाक्यमुनि बुद्ध विहार एवं भिक्षु प्रशिक्षण केंद्र में पांच दिवसीय श्रामरेण प्रशिक्षण एवं धम्म देशना शिविर का आयोजन 16 से 30 नवम्बर तक किया जा रहा है। इस शिविर का आयोजन बुद्धिस्ट सोसाइटी फॉर एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर (भिक्षु शील रतन) द्वारा किया जा रहा है। जिसकी अध्यक्षता देश विदेश के अंर्तराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के विख्यात भिक्षु व भदन्त कर रहे है।

सी.एम.एस. राजाजीपुरम कैम्पस द्वारा म्यूजिक वर्कशाप का आयोजन

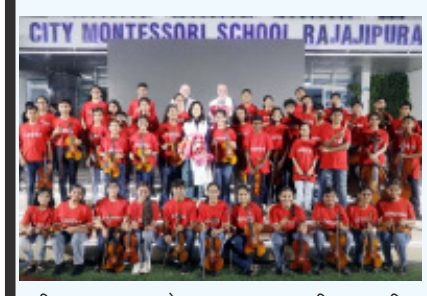

लखनऊ, 30 नवम्बर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस द्वारा विद्यालय परिसर में आयोजित 'वेस्टर्न क्लासिकल म्यूजिक वर्कशाप' में बड़ी संख्या में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों व संगीत प्रेमियों ने न सिर्फ पाश्चात्य शाष्त्रीय संगीत की बारीकियों को समझा अपितु पाश्चात्य संगीत की विभिन्न विधाओं का आनंद उठाया। यह संगीत कार्यशाला एसोसिएटेड बोर्ड ऑफ रायल स्कूल ऑफ म्यूजिक (ए.बी.आर.एस.एम.), लंदन के सहयोग से सम्पन्न हुई। इस संगीत कार्यशाला में एबीआरएसएम के परीक्षक श्री फिलिप वाल्श, श्री राबर्ट शॉ, सुश्री त्से येन योंग एवं इण्डिया नेशनल यूथ आर्केस्ट्रा एवं कोरस की मैनेजिंग डायरेक्टर, सुश्री सोनिया खान ने संगीत शिक्षा पर गहन चर्चा–परिचर्चा की एवं दर्शकों के सवालों के जवाब देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।इस संगीत कार्यशाला की खास बात रही कि इसमें एबीआरएसएम के चीफ एक्जीक्युटिव श्री क्रिस कॉब, एबीआरएसएम के उप–मुख्य परीक्षक श्री मर्विन कजिन्स एवं संगीतज्ञ श्री जेम्स वेलबर्न ने लंदन से अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करायी एवं अपने सारगर्भित संबोधन से छात्रों व संगीत प्रेमियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में एबीआरएसएम के चीफ एक्जीक्युटिव श्री क्रिस कॉब ने कहा कि संगीत शिक्षा आज एक नये कैरियर विकल्प के रूप में उभरी है एवं भावी पीढ़ी का अच्छा रूझान इस क्षेत्र में नजर आ रहा है। इससे पहले, सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने लंदन से पधारे एबीआरएसएम के परीक्षकों समेत चीफ एक्जीक्युटिव श्री क्रिस कॉब का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर प्रो. किंगडन ने एबीआरएसएम परीक्षा के प्रतिभागी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और विश्वास व्यक्त किया कि यह संगीत कार्यशाला छात्रों की संगीत प्रतिभा को निखारने में महती भूमिका निभायेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कार्यशाला संगीत के प्रति रूचि रखने वाले छात्रों व संगीत प्रेमियों के लिए यह यादगार अवसर साबित हुई है।

महाकुम्भ 2025 में श्रद्धालुओं सुविधा के लिए टूर गाइड्स को किया जा रहा प्रशिक्षित

प्रयागराजध्महाकुंभ 2025 प्रयागराज में पर्यटकों एवं तीर्थ यात्रियों की सुविधा हेतु गाइड ,वोटमैन, वेंडर्स, एवं टैक्सी ड्राइवरों को यातायात प्रशिक्षण कार्यक्रम मान्यवर कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान लखनऊ द्वारा प्रयागराज में विकास भवन के सरस हॉल में महाकुम्भ में सरल सुगम यातायात हेतु पुलिस उपायुक्त यातायात नीरज पाण्डेय वा अपर पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह के निर्देशन में यातायात निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय द्वारा यातायात के नियमों के बारे में जागरूक किया गया। उनके द्वारा बताया गया की जो भी श्रद्धालु जिस भी मार्ग से आ रहे हो उन्हे सुगमता पूर्वक संगम या अन्य स्नान घाट तक पहुंचाए और मेले में वाहनों को चौराहों से उचित दूरी पर खड़ा होने के लिए उनके ड्राइवरों को बताए और स्नेहपूर्वक श्रद्धालुओं से चौराहे पर न खड़े होने को बताएं। मेले के निकटतम रेलवे स्टेशन के नाम वा दूरी की जानकारी अवश्य रखें साथ ही साथ क्षेत्र में ड्यूटी लगाई जाए उस सर्किल के एसएचओ,चौकी प्रभारी का नंबर जरूर सेव रखें मेले में किसी भी तरह के अफवाह

को न फैलने दें जिससे भगदड़ की संभावना न होने पाए,यदि कोई संदिग्ध व्यक्ति ,या कोई अप्रिय घटना घटित होती हैं तो आपने मोबाइल से अपना लाइव लोकेशन उच्च अधिकारियों को भेज कर डिटेल लिखकर अवगत कराएं। आपस के सहयोगी साथियों के साथ एक ग्रुप बना लें जो असुविधा हो आपस में समन्वय बनाए रखें, वसुधैव कुटुंबकम् सेवा भाव से मेले में जो भी नियम बनाए जाएंगे उसका पालन करें। जिस घाट पर छमता से अधिक भीड़ हो उन घाटों पर न जाने के श्रद्धालुओ से अपील करें और प्रशासन का सहयोग करें असुविधा होने पर मदद भी लेते रहें और शालीनता पूर्वक पालन कराएं। दूर दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के प्रमुख मार्ग का भी ध्यान रखें और उनकी भाषा से भी यह समझ लीजिए की ये व्यक्ति किस राज्य का होगा उसे उसी रूट के तरफ का रास्ता बताएं।हर रूट के वाहन पार्किंग की भी जानकारी याद रखने की आवश्यकता है अतिथि देवो भव की भावना से मेले में अपना योगदान दें।जो अपने सगे संबंधियों से बिछड़ गए हो उन्हे साउंड सिस्टम से पुकारा कराएं और भूले भटके शिविर में भेजवा दें,मेले के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों के वर्तमान नाम से ही नाम लें जिससे लोगों को सही स्थान तक ले जाया जा सके, संदिग्ध व्यक्तियों के दिखने पर प्रशासन को सूचना दें, जिससे मेले में किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए। आप सभी के अच्छे आचरण, ईमानदारी,प्रेम व्यवहार से ही मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के नजर में प्रायगराज की छवि उत्तम बन सकती हैं इसलिए आप सभी लोग प्रयागराज को मात्र मेले तक ही पर्यटन के केंद्र न बनने दें हमेशा था टूरिस्ट आए और जिससे प्रयागराज हमेशा टूरिस्ट का केंद्र बन जाए जिससे सभी को लाभ भी होगा। और देश विदेश में तीर्थराज प्रयागराज की अलग पहचान बनेगी। यह आयोजन असिस्टेंट प्रोफेसर प्रखर तिवारी के उपस्थिति में किया गया।जिसमें समाज सेवी नितीश शुक्ल,प्रदीप दुबे, रजित कुमार उपस्थित रहे।

पत्नी ने ससुराल वालों पर लगाया पति की हत्या का आरोप

फतेहपुर–बाराबंकी(एजेंसी)। कस्बा फतेहपुर क्षेत्र के गुठवनपुरवा वार्ड से एक वर्ष पूर्व गायब हुए युवक का पता आज तक नही लग सका है। जिस पर पत्नी ने काफी खोजबीन के बाद अपने सास, ससुर दो देवरों व देवरानी पर पति की हत्या कर शव गायब कर देने का आरोप लगाया है।उसकी फरियाद पर सीजेएम कोर्ट ने मामले में मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। जिस पर 27 नवम्बर को महिला के प्रार्थना पत्र पर फतेहपुर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मामला मोहम्मदपुर खाला क्षेत्र के ग्राम भुड़कुला निवासी रेशमी देवी 28वर्ष का विवाह फतेहपुर के वार्ड दशरथपुर अंतर्गत गुठवनपुरवा निवासी प्रमोद गौतम से हुआ था। दोनों के तीन बच्चे है। रेशमी देवी का कहना है कि दिसम्बर 2023 में वह मायके गयी थी। जहां उसकी फोन पर पति से बात होती रहती थी।

सामूहिक विवाह में फर्जीवाड़े के खिलाफ महिला कांग्रेसियों ने फूंका पुतला

सोनभद्र (एजेंसी)। जिले में हुए के नाम पर हो रहे धांधली और जय आदिवासी और दलित बच्चो को मिलने कल्याण विभाग हो रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ अध्यक्ष ऊषा चौबे के नेतृत्व में बृहस्पतिवार ाकारी का पुतला चुर्क तिराहे पर फूंक कर बर्खास्तगी की मांग की। इस दौरान ने कहा कि बीजेपी सरकार में भ्रष्टाचार में फर्जीवाड़े में अभी तक कार्यवाही के मौन हैं। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय गड़बड़ियों की शिकायत की लेकिन मामला

सामूहिक विवाह में फर्जीवाड़े सत्यापन प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में वाली भोजन में गड़बड़ी, और समाज महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला को प्रदर्शन कर समाज कल्याण अधि विरोध प्रदर्शन किया साथ ही उनके जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष ऊषा चौबे चरम पर है, मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह नाम पर समाज कल्याण अधिकारी विद्यालय में भी बच्चों ने भोजन में ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।समाज कल्याण मंत्री के जिले में उनके विभाग में नही दिख रहा जीरो टॉलरेंस, और जिले में व्यापक भ्रष्टाचार किया जा रहा है। आखिरकार दोषियों पर मंत्री कब कार्यवाही करेंगे। स्व0 कांता पांडेय को समाज कल्याण विभाग द्वारा लगभग 18 महीने पहले मृत घोषित कर उनका पेंशन और राशन बन्द कर दिया गया, लगातार उन्हें चक्कर लगाने के बाद भी समाज कल्याण विभाग निद्रा में था, आखिरकार उनकी मौत हो गई। लेकिन दोषियों पर अभी तक कार्यवाही नही की गई। सामूहिक विवाह में टेंट और भोजन सप्लाई करने की भी उच्च स्तरीय जाँच कराया जाय तो निश्चित ही गड़बड़ियां सामने आएंगी।उन्होंने कहा कि समाज कल्याण अधिकारी को बर्खास्तगी नही की गई तो महिला कांग्रेस बड़ा आंदोलन करेगी।

जिला उपाध्यक्ष शान्ति विश्कर्मा ने कहा कि समाज कल्याण मंत्री अभी तक मौन क्यों है अभी तक दोषियों पर कार्यवाही क्यों नही हुई, जिले में समाज कल्याण में लागतार फर्जीवाड़े हो रहे है और मंत्री जी मौन है उनको जबाब देना चाहिए। उक्त मौके पर मुन्नी, आरती देवी, सुशीला देवी, विमला देवी, रेखा, वबिता देवी, संतरा देवी, संतोष यादव, बसावन गुप्ता, राहुल सिंह, सोनू सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

माकपा, जिला कमेटी की हुई बैठक

बैठक में सीपीआईएम , माकपा के मजबूती और जन संगठनों के विस्तार पर दिया गया जोर

सोनभद्र (एजेंसी)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा का जिला कमेटी एवं ब्रांच मंत्रियों की संयुक्त बैठक गुरुवार को नीलम देवी की अध्यक्षता में रॉबर्ट्सगंज के सिविल लाइन रोड कचहरी के पास प्रेमनाथ गुप्ता के आवास पर हुआ। बैठक में सभी उपस्थित जिला कमेटी सदस्यों और ब्रांच मंत्रियों द्वारा क्षेत्र वाइज जिले की रिपोर्ट प्रेषित किया गया। तत्पश्चात पार्टी को मजबूत और जन संगठनों का विस्तार करने पर जोर दिया गया। जनपद में संचालित प्राइवेट पॉलिटेक्निक, आईटीआई और बी एड और बीटीसी स्तर की निजी स्कूल धड़ल्ले के साथ संचालित हो रही है जिनके द्वारा बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं का लूट किया जा रहा है तथा उनके एजेंट अभिभावकों और छात्रों को बड़े–बड़े सपने दिखाकर पहले एडमिशन कराते हैं बाद में मानक के विपरीत मनमाना वे हिसाब रूप से

रुपया वसूल करते हैं। जिनके ऊपर जिला प्रशासन का कोई अंकुश नहीं है और नहीं कभी जांच किया जाता है। यह भी न ही बताया जाता कि ऐसे संस्थानों का कोई शिकायत हो तो जिले में किस अधिकारी से किया जाए जिसका फायदा उठाकर शिक्षा माफियाओं का हौसला बढ़ा हुआ है। परिणाम स्वरूप अभिभावक को मजबूर होकर फीस के अभाव में अपने बच्चों के शिक्षा को बीच में ही बंद करने के लिए विवश होना पड़ता है। जिसके कारण बच्चों का समय और जीवन दोनों बर्बाद हो रहा है। इसके अलावां सोनभद्र के मुख्य मार्ग पर स्थित रेणुकूट से शक्तिनगर के सड़क पर वाहनों के जाम से आम जरूरतमंद लोगों की बढ़ रही परेशानियों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए जिला कमेटी ने तय किया कि 5 दिसंबर,2024 को पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर कानूनी कार्रवाई के लिए मांग पत्र सौंपेगा। वहीं भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) माकपा का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन–29, 30, 31 को बुलंदशहर में किये जाने की जानकारी दी गयी। उसमें जनपद से पार्टी के सात सदस्यीय जिसमें एक महिला साथी होंगी का डेलीगेट जिला मंत्री नंदलाल आर्य के नेतृत्व में शामिल होंगे। बैठक में कामरेड नंदलाल आर्य जिला मंत्री का. प्रेमनाथ, विशंभर सिंह, पुरुषोत्तम, श्याम नारायण सिंह जिला मंत्री परिषद सदस्य व कामरेड पकडू सिंह, नीलम देवी, लल्लन राम, शिवकुमार उपाध्याय उर्फ गुड्डू जिला कमेटी सदस्य के साथ का.कंचन सिंह , का.राज नारायण सिंह, का. हनुमान प्रसाद ब्रांच मंत्री गणों का गरिमामयी उपस्थिति रही।

बिजली का निजीकरण कल्याणकारी राज्य के विरुद्ध-एआईपीएफ

0 जन विरोधी निजीकरण का फैसला वापस ले सरकार
0 निजीकरण के खिलाफ चलेगा जन संवाद

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का फैसला कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के खिलाफ है और आने वाले समय में इससे किसानों, मजदूरों, छोटे–मझोले व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहद महंगी बिजली खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसलिए जन विरोधी इस फैसले को सरकार तत्काल वापस ले। यह मांग आज ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट की प्रदेश कमेटी की तरफ से प्रेस को जारी बयान में उठाई गई। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश संगठन महासचिव दिनकर कपूर ने कहा कि आजादी के बाद ग्रहण किए गए संविधान में राज्य की भूमिका कल्याणकारी राज्य के रूप में की गई थी। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, बिजली, पानी जैसे बुनियादी क्षेत्र आम नागरिकों को उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी थी। अब सरकार इससे पीछे हट रही है। बिजली जैसे क्षेत्र को निजी क्षेत्र में सौंपना महंगाई की मार से पहले से ही पीड़ित आम जनता पर कहर ढ़ाहना है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बिजली के निजीकरण के जितने भी प्रयोग थे वह विफल साबित हुए हैं। उड़ीसा में बिजली के निजीकरण की नीति को सरकार को वापस लेना पड़ा। आगरा में टोरेंट पावर के निजीकरण में खुद सीएजी रिपोर्ट में करोड़ों रुपए के घोटाले होने की और प्रदेश सरकार को राजस्व हानि होने की बात सामने आई। महाराष्ट्र और मुख्यतः मुंबई में निजीकरण के कारण आम आदमी को बेहद महंगी बिजली खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है और उसका भी रेट विभिन्न समय के अनुसार भिन्न–भिन्न है। वास्तविकता यह है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जब–जब सत्ता में आती है, बिजली के निजीकरण को तेज किया जाता है। एनरान से बिजली समझौता, राज्य विद्युत बोर्ड का विभाजन, विद्युत कानून 2003 और विद्युत संशोधन अधिनियम 2022 भाजपा के राज में ही हुआ है। कुछ चंद कारपोरेट घरानों को पूरे देश और प्रदेश की बिजली व्यवस्था सौंपने में सरकारें लगीं हैं। उन्होंने कहा कि दरअसल प्रदेश में बिजली विभाग को हो रहे घाटे के पीछे भी सरकार की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। सस्ती बिजली पैदा करने वाले अपने उत्पादन गृहों से सरकार थर्मल बैंकिंग कराती है और उसी समय कॉर्पोरेट घरानों से बेहद महंगे दाम पर बिजली की खरीद की जाती है। बिजली के दुरुपयोग की हालत यह है कि यदि सचिवालय में ही लोग चले जाएं तो बहुत बड़ा बिजली का खर्चा वहां चलाए जा रहे एसी और तमाम संयंत्रों में दिखाई देगा। जो घाटा आज बताया जा रहा है उसका एक बड़ा हिस्सा सरकारी विभागों में बिजली बिल के बकाए का है। यदि उसे ही सरकार वापस कर दे तो बकाया की धनराशि काफी कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कहना कि निजीकरण के कारण कर्मचारी हित प्रभावित नहीं होंगे पूर्णतया गलत है। साफ है कि निजीकरण के बाद बड़े पैमाने पर इंजीनियर से लेकर कर्मचारियों की छटंनी होगी और इस बात को जानते हुए ही सरकार ने वीआरएस जैसी बात की है। सबसे बड़ी मार तो इन वितरण निगमों में कार्यरत ठेका मजदूरों पर गिरेगी जिन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा और उनकी कोई भी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिजली का निजीकरण दरअसल संसद में लंबित विद्युत संशोधन अधिनियम 2022 का ही अंग है। जिसमें सरकार ने क्रॉस सब्सिडी और सब्सिडी की प्रक्रिया को ही खत्म कर दिया गया है। जिसके तहत किसानों को सिंचाई और कृषि कार्य के लिए मिल रही सस्ती बिजली का खत्म हो जाएगी। उन्होंने प्रदेश के तमाम विपक्षी दलों, किसान संगठनों, मजदूर और कर्मचारी संगठनों व गणमान्य नागरिकों से इस निजीकरण के विरुद्ध खड़े होने की अपील की है साथ ही निजीकरण के खिलाफ एआईपीएफ जन संवाद करेगा।

करोड़ो की ठगी करने वाले पांच शातिर जालसाज गिरफ्तार

तीन दर्जन पासबुकें, बाण्ड पेपर व दो चार पहिया वाहन बरामद

बाराबंकी (एजेंसी)। फर्जी कम्पनी बनाकर एलयूसीसी के माध्यम से गरीबों के करोड़े रुपये की धोखाधड़ी करने वाले पांच शातिर जालसाजों को सर्विलांस और स्वॉट टीम प्रभारियों ने बदोसरांय पुलिस के सहयोग से धर दबोचा। पुलिस ने इनके पास से दो चार पहिया वाहन, 33 पासबुकें और पांच बाण्ड पेपर बरामद किये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके पांचो शातिर जालसाजों को जेल भेज दिया। पकड़े गये जालसाजों में एक महिला भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, बीती 22 नवम्बर को थाना बदोसरांय क्षेत्र के ग्राम बरौलिया निवासिनी किरन वर्मा पुत्र स्व. सालिकराम वर्मा ने कोतवाली बदोसरांय में जा करके यह षिकायत की थी कि मेरे ही गांव के निवासी राम नरेष वर्मा पुत्र स्व. जगदीष प्रसाद एक द् लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एण्ड थिफ्ट नामक फर्जी कम्पनी के एजेण्ट बनकर कूटरचित बाण्ड देकर 1 लाख 25 हजार रुपये छल और धोखाधड़ी करके ले लिए और उसके बाद अपनी कम्पनी कार्यालय में ताला लगाकर भाग गये हैं। उक्त तहरीर पर थाना प्रभारी बदोसरांय ने मुकदमा पंजीकृत करके जांच पड़ताल शुरु कर दी। 28 नवम्बर की सुबह स्वॉट टीम प्रभारी अजय सिंह, सर्विलांस सेल प्रभारी बृजेष कुमार यादव और प्रभारी निरीक्षक बदोसरांय संतोष कुमार ने छापा मारकर कम्पनी के उप हेड कोतवाली फतेहपुर के ग्राम इब्राहिमपुर मजरे साढ़ेमऊ निवासी संजीव कुमार वर्मा पुत्र कमलेष चन्द्र व थाना सफदरगंज के ग्राम भवानीपुरवा मजरे केवलापुर निवासी मैनेजर स्वामी दयाल मिश्रा पुत्र तुलसीराम थाना जैदपुर के ग्राम घिसियावनपुरवा मजरे मुरलीगंज निवासी मैनेजर रामषरण वर्मा पुत्र सुन्दरलाल कोतवाली बदोसरांय के ग्राम बरौलिया निवासी एजेण्ट रामनरेष वर्मा पुत्र जगदीष प्रसाद व थाना जैदपुर के ग्राम अहमदपुर निवासी ब्रांच मैनेजर मनोज कुमार मौर्या पुत्र भीकू मौर्या को धर दबोचा तलाषी के दौरान पुलिस ने इन लोगों के पास से 33 पासबुके, पांच बाण्ड पेपर व दो चार पहिया वाहन बरामद किये। पुलिस लाइन मेंआयोजित प्रेसवार्ता के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी चिंरजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि पकड़े गये सभी आरोपियों द्वारा जनपद बाराबंकी सहित प्रदेष के विभिन्न जनपदों व अन्य प्रदेषों में एक फर्जी एलयूसीसी कम्पनी के नाम से ऑफिस खोलकर कम्पनी का जनपद मुख्य प्रबंधक अपने नीचे डॉउन लाइन एजेण्ट के रुप में जोड़कर उनके माध्यम से जनता के मध्य जाकर विभिन्न स्कीमों के माध्यम से भोले भाले लोगों को रुपया दोगुना लालच देकर फर्जी बाण्ड बनाकर मेच्योरिटी का पैसा देने का वादा कर धोखाधड़ी करते चले आ रहे हैं। एएसपी उत्तरी ने आगे जानकारी दी कि कम्पनी के रजिस्टेषन प्रमाण पत्र में मुख्यालय का पता सालीमार गार्डेन साहिबाबाद गाजियाबाद में जब जांच पड़ताल की गयी तो वहां इस नाम की कोई कम्पनी संचालित नही पायी गयी। यह कम्पनी फर्जी तरीके से बैंकिंग का काम करती है। जिसका पंजीकरण आरबीआई में नही है। उन्होने यह भी बताया कि स्कीम पूरा होने पर जब पीड़ितों ने अपना पैसा वापस मांगना शुरु किया तो पैसा देने के नाम पर यह लोग आनाकानी करते हैं। पकड़े गये आरोपियों द्वारा कूटरचित दस्तावेज बनाकर लगभग 2000 लोगों से पैसा जमाकर धोखाधड़ी की गयी है। उन्होने बताया कि इसके मुख्य आरोपी उत्तम सिंह राजपूत और एवं संजीव कुमार वर्मा हैं। फर्जी कम्पनी के विरुद्ध उत्तराखण्ड मध्य प्रदेष और राजस्थान प्रदेषों में भी कई मुकदमें पंजीकृत हैं। जिनसे जानकारी की जा रही है। एएसपी ने आगे बताया कि चार पीड़ितों द्वारा अभी तक मुकदमे पंजीकृत कराये गये हैं उन्होने यह भी बताया कि कोतवाली नगर के जमुरिया नाला निवासी उत्तम सिंह राजपूत उनकी पत्नी माया सिंह, कोतवाली नगर के मोहल्ला आलापुर निवासी दिनेष कुमार सिंह, थाना सफदरगंज के ग्राम भवानीपुर निवासी अखिलेष मिश्रा व थाना जैदपुर के ग्राम अहमद नगर निवासी संतोष कुमार मिश्रा जो इस धोखाधड़ी के मामले में वांछित है। इन सभी की तलाष में टीमें लगायी गयी हैं। जल्द ही सभी वांछित कानून के षिकजे में होंगे।

सीसीटीवी कैमरों से होगी मेला परिसर की निगरानी

बाराबंकी (एजेंसी)। सुप्रसिद्ध पौराणिक महादेवा महोत्सव का शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 से आगाज हो रहा है। महादेव महोत्सव को भव्य एवं दिव्य बनाने के लिये महादेवा परिसर में प्रशासन की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। इस बार महादेवा महोत्सव में आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके साथ ही महोत्सव में प्रतिदिन अलग–अलग कार्यक्रम लोगों को अपनी तरफ आकर्षित करेंगे। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार द्वारा महादेवा महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा। बाराबंकी जिले के रामनगर तहसील क्षेत्र में स्थित पौराणिक लोधेष्वर महादेव मंदिर परिसर में 29 नवम्बर से पारंपरिक रूप से लगने वाला अगहनी मेंला जिसे महादेवा महोत्सव के नाम से जाना जाता है उसकी भव्य एवं दिव्य से शुरुआत होगी। इस बार महादेवा महोत्सव में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके साथ ही महादेवा महोत्सव में पशु बाजार, खेल प्रतियोगिताएं व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है।महादेवा महोत्सव की धूम प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश भर में रहती है। दूर–दूर से लोग इस महोत्सव में शामिल होने के लिए पहुंचते हैं। प्रशासन के द्वारा महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष कराया जाता रहा है। महादेवा महोत्सव को भव्य व दिव्य बनाने के लिये बाराबंकी के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। महादेवा महोत्सव में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम महादेवा मेला परिसर में संपन्न होंगे। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए चाक–चौबंद व्यवस्था रहेगी।

लोकनृत्य और शास्त्रीय गीतों से बंधा समा

बाराबंकी (एजेंसी)। बंशगोपाल राष्ट्रीय पुनर्वास ट्रस्ट के द्वारा संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम का आयोजन सेठ जगदेव मेमोरियल सरदार वल्लभ भाई पटेल इंटर कॉलेज इसरौली सेठ में आयोजन किया गया था जिसके मुख्य अतिथि विधायक हैदरगढ़ मा दिनेश रावत तथा विशिष्ट अतिथि जिला समाज कल्याण सुषमा वर्मा रही कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरेंद्र सिंह ने की। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेश कुमार पटेल के द्वारा सभी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तुति स्वरोही डांस एंड म्यूजिक ग्रुप द्वारा दी गई। रंगोली की छात्राओं को कॉलेज प्रबंधक के द्वारा प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया। बंशगोपाल राष्ट्रीय पुनर्वास ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेश पटेल के द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य सहित समस्त स्टॉफ और समस्त छात्र छात्राओं और उनके अभिभावक जन मौजूद रहें।

प्यार चढ़ा परवान, मंदिर में रचायी शादी

बड्डूपुर, बाराबंकी(एजेंसी)। कोतवाली बड्डूपुर क्षेत्र के एक गांव का युवक पड़ोसी गांव की युवती को एक वर्ष पूर्व से दिल दे बैठा। दोनों का प्रेम इस कदर परवान चढ़ा की वे एक दूजे के होने के लिए तैयार हो गए लेकिन दोनों पक्षों के परिवार शादी करने को तैयार नहीं थे। प्रेमिका के घर वालों ने प्रेमी के खिलाफ कोतवाली बड्डूपुर में शादी करने के लिए नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी पुलिस द्वारा प्रेमी व प्रेमिका को पुलिस ने बुधवार को कोतवाली बुलाया कोतवाली प्रभारी ने प्रेमी व प्रेमिका दोनों बालिग होने के चलते दोनों अपनी जिद पर अड़े रहे कि हम शादी करेंगे तो अपने प्रेमी से ही फिर पुलिस ने दोनों लोगों के परिजनों को आपस मे रजामंदी करते हुए सुलह समझौता कर लिया। इसके बाद प्रेमी व प्रेमिका दोनों लोगों के परिजनों की मौजूदगी में कोतवाली के सामने प्रागेष्वर महादेव मंदिर में प्रेमी युगल ने शादी रचाई महादेव मंदिर में दोनों प्रेमी प्रेमिका एक दूजे के लिए रहने के लिए भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की दोनों के परिजनों द्वारा वर वधु को आशीर्वाद दिया। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने बताया दोनों एक ही बिरादरी के थे दोनों में काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था दोनों ने मंदिर में परिजनों की सहमति से शादी रचाई है।

चेकिंग के नाम पर समाजसेवियों को अपमानित कर रही है पुलिस

बड्डूपुर, बाराबंकी। भाजपा शासन में क्षेत्र में बना चर्चा का विषय बड्डूपुर पुलिस द्वारा साप्ताहिक बाजार के दिन वाहन चेकिंग करती है। जिसमें बड्डूपुर क्षेत्र के एक समाज सेवी एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति को वाहन चालन करने में नहीं छोड़ा जबकि गाड़ी में कोई कमी नहीं थी। बुधवार को कस्बा बड्डूपुर में साप्ताहिक बाजार लगती है और क्षेत्र के लोग साप्ताहिक बाजार में सब्जी खरीदनी करने के लिए आते हैं। जिसमें ज्यादातर लोग गरीब वर्ग के रहते हैं। भाजपा सरकार गरीबों को चाहे जितनी योजनाएं मुहैया कर दे। फिर भी भाजपा शासन में पदुपुर पुलिस द्वारा बाजार में सब्जी खरीदने आए व्यक्ति का अगर वहां चलन कर देती है तो उससे वह गरीब व्यक्ति भाजपा सरकार को अंदर ही अंदर काफी कोसता है। बड्डूपुर पुलिस द्वारा साप्ताहिक बाजार के वाहन चालान करने में लग जाती है।

विद्यालय समिति गठन के लिए खुली बैठक

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी(एजेंसी)। क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय लोधपुरवा में खंड शिक्षा अधिकारी सजंय कुमार व खंड विकास अधिकारी अदिति श्रीवास्तव के निर्देश पर विद्यालय समिति गठन के लिए खुली बैठक विद्यालय परिसर आयोजित की गई। बैठक में छात्र–छात्राओं के अभिभावक एवं गांव के वरिष्ठ नागरिक शामिल रहे। विकासखंड सिरौली गौसपुर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय लोधपुरवा में गुरुवार को एक खुली बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद आरिफ सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक व छात्र–छात्राओं के अभिभावक मौजूद रहे जिसमें शासनादेश को पढ़कर सुनाया गया। उसके बाद विद्यालय समिति का गठन किया गया जिसमे अध्यक्ष राम मनोरथ गौतम, उपाध्यक्ष रीता यादव, सचिव मोहम्मद आरिफ व अन्य सदस्य नामित किया गए। नई विद्यालय समिति दिसंबर माह से काम करना शुरू करेगी। यह समिति विकास शिक्षा की गुणवत्ता आदि की देखरेख करेगी। इस संबंध में प्रधानाध्यापक मोहम्मद आरिफ ने बताया कि विद्यालय समिति का गठन इस उद्देश्य से किया गया है ।

वंशजों ने लगाया राणा के नाम पर बट्टा

eवाड़ के राणा प्रताप ने मुट्ठी भर साथियों के दम पर अकबर की सेना के छक्के छुड़ा दिये थे। अपनी मातृभूमि को आजाद कराने के लिए वे जंगलों में रहे, घास की रोटी खायी और जमीन पर सोए। उनके राज्य का एक व्यापारी भामाशाह सम्पत्ति को तुच्छ समझकर राणा प्रताप के कदमों में रख आया और कहा आप मुगलों के खिलाफ लड़ने के लिए सेना तैयार करिए। आज उसी राणा प्रताप के वंशज सम्पत्ति के लिए लड़ रहे हैं। उदयपुर में राणा प्रताप के वंशज उनके पर पर बट्टा लगा रहे हैं। राज्य की भाजपा सरकार महाराणा प्रताप के बारे में जन–जन को जागृत करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 8 मई को महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया में पहुंचाने की घोषणा की थी। इसके लिए 100 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप सर्किट विकसित किया जा रहा है लेकिन महाराणा प्रताप के वंशज सम्पत्ति के विवाद को उठाकर राणा प्रताप के त्याग और राष्ट्रप्रेम को कलंकित कर रहे हैं।

राजस्थान का उदयपुर हर किसी के जुबां पर एक बार फिर है। इस बार ये शहर किसी शादी या महल को लेकर चर्चा में नहीं है। बल्कि महाराणा प्रताप के दो वंशजों के बीच शुरू हुए विवाद को लेकर सुर्खियों में है। उदयपुर के नए मेवाड़ विश्वराज और अरविंद सिंह के बीच बवाल शुरू हो गया है। महाराणा प्रताप के वंशजों के बीच संपत्ति का विवाद कई कारणों से है। दरअसल उदयपुर राजघराने के पास काफी बड़ी संपत्ति है, जिसमें महल, जमीन और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। ऐसे में महाराणा प्रताप के कई वंशज हैं और सभी अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं। इसी संपत्ति को लेकर विवाद के कारण परिवार के सदस्यों के बीच कलह हो गई है।

महाराणा प्रताप के पिताः महाराणा उदय सिंह, मांः जयवंताबाई सोनगरा भाई– शक्ति सिंह, खान सिंह, विरम देव, जेत सिंह, राय सिंह, जगमल, सगर, अगर, सिंहा, पच्छन, नारायणदास, सुल्तान, लूणकरण, महेशदास, चंदा, सरदूल, रुद्र सिंह, भव सिंह, नेतसी, सिंह, बेरिसाल, मान सिंह, साहेब खान पत्नियांः अजब देपंवार, अमोलक दे चौहान, चंपा कंवर झाला, फूल कंवर राठौड़ प्रथम, रत्नकंवर पंवार, फूल कंवर राठौड़ द्वितीय, जसोदा चौहान, रत्नकंवर राठौड़, भगवत कंवर राठौड़, प्यार कंवर सोलंकी, शाहमेता हाड़ी, माधो कंवर राठौड़, आश कंवर खींचण, रणकंवर राठौड़ बेटे– अमर सिंह, भगवानदास, सहसमल, गोपाल, काचरा, सांवलदास, दुर्जनसिंह, कल्याणदास, चंदा, शेखा, पूर्णमल, हाथी, रामसिंह, जसवंतसिंह, माना, नाथा, रायभान और बेटियांः रखमावती, रामकंवर, कुसुमावती, दुर्गावती, सुक कंवर शामिल हैं।

महाराणा प्रताप का नाम भारतीय इतिहास में वीरता, साहस के प्रतीक के रूप में लिया जाता है। उनका जन्म 9 मई 1540 को हुआ था और वे मेवाड़ के राणा थे। महाराणा प्रताप एक ऐसे योद्धा थे जिन्होंने मुगल साम्राज्य के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष किया था। उनके वंशज आज भी उदयपुर में रहते हैं और उनकी विरासत को संजोए हुए हैं, लेकिन इस विरासत के साथ ही एक लंबा विवाद भी जुड़ा हुआ है, जो संपत्ति को लेकर है। महाराणा प्रताप के वंशजों के बीच संपत्ति को लेकर कई सालों से विवाद चल रहा है। इस विवाद के कारण ही राजघराने के सदस्यों के बीच संबंध खराब हो गए हैं।

महेंद्र सिंह के निधन के बाद उदयपुर के नए मेवाड़ विश्वराज सिंह बने हैं, जिसको लेकर विवाद शुरू हो गया है। विश्वराज सिंह मेवाड़ के आवास समोर बाग के बाहर भारी पुलिस बंदोबस्त है। समोरबाग और सिटी पैलेस के बीच के रास्ते में बेरीकेडिंग कर पुलिस फोर्स तैनात कर दीं गयी। जिससे समोर बाग में आने वाली भीड़ सिटी पैलेस की तरफ न जा सके। समोर बाग से आज विश्वराज सिंह समर्थकों के साथ एकलिंग जी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। यह राणा परिवार की परम्परा है। पुलिस की कोशिश से दोनों के समर्थकों में टकराव न हो और एकलिंग जी जाने वाली भीड़ सिटी पैलेस की ओर न मुड़ जाए। एकलिंग मंदिर भारत के सबसे प्रचीन मंदिरों में से एक है। इसका निर्माण 734 ई. में बप्पा रावल ने करवाया था। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार में जब भी राजतिलक की रस्म निभाई जाती है तो उस सदस्य को परंपरानुसार इस मदिर में दर्शन करने होते हैं। इसलिए विश्वराजसिंह मेवाड़ राजतिलक की रस्म के दो दिन बाद इस मंदिर में दर्शन करने गये। विश्वराज सिंह के कंधे पर चांदी की छड़ी धारण कराई गयी।

विश्वराज सिंह मेवाड़, जो मौजूदा समय में मेवाड़ के शाही परिवार के प्रमुख हैं, मेवाड़ के राजपरिवार की ऐतिहासिक धरोहर और संपत्ति के उत्तराधिकारी हैं। उनका परिवार उदयपुर के सिटी पैलेस में रहता है, जो मेवाड़ का ऐतिहासिक किला और महल है। सिटी पैलेस की शानदार वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व इसे एक खास पर्यटन स्थल बनाती है। इसके अलावा मेवाड़ के अन्य महल, किलों और जमीन–जायदाद पर भी महाराणा प्रताप के वंशजों का अधिकार है।

महाराणा प्रताप के वंशजों के बीच संपत्ति का विवाद कई कारणों से है। दरअसल उदयपुर राजघराने के पास काफी बड़ी संपत्ति है, जिसमें महल, जमीन और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। ऐसे में महाराणा प्रताप के कई वंशज हैं और सभी अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं। इसी संपत्ति को लेकर विवाद के कारण परिवार के सदस्यों के बीच कलह हो गई है। हाल ही में हुए राजतिलक के दौरान यह विवाद और गहरा गया। राजतिलक के बाद नए राजा को उदयपुर के सिटी पैलेस में जाकर धूनी दर्शन करने थे। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन इस बार नए राजा को सिटी पैलेस में प्रवेश करने से रोक दिया गया। इस घटना ने राजघराने के सदस्यों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया। सिटी पैलेस उदयपुर राजघराने का प्रमुख निवास है और इसका धार्मिक महत्व भी है। यहां स्थित धूनी माता का मंदिर राजघराने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। राजतिलक के बाद नए राजा विश्वराज सिंह को यहां आकर दर्शन करने की परंपरा है, लेकिन इस बार नए राजा को सिटी पैलेस में प्रवेश करने से रोक दिया गया, जिससे विवाद और बढ़ गया। इस विवाद के कारण उदयपुर में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। राजघराने के सदस्यों के समर्थकों के बीच झड़प हुई और कई लोग घायल हुए, इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा जिसके चलते फिलहाल उदयपुर में तनाव की स्थिति है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसी साल 8 मई को कहा था कि महाराणा प्रताप के संदेश को पूरी दुनिया तक पहुंचाना हमारी सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में 100 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर में महाराणा प्रताप जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, महाराणा प्रताप न केवल राजस्थान और भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनकी वीरता, शौर्य और देशभक्ति को काल और भौगोलिक सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सहसरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने कहा कि आज आप, संस्कृति, सभ्यता और धर्म रक्षित हैं, तो उसका कारण यही है कि महाराणा प्रताप जैसे महापुरुष हुए जो अपना राज्य बचाने के लिए ही नहीं बल्कि धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए लड़े। यह बात राणा के वंशजों को भी समझनी चाहिए। ¼fgQh½

सम्पादकीय

यहूदी विरोधी हमला भयानक, वीभत्स राक्षस बना मानव

सोशल मीडिया के वीडियो में दिखा है कि लोग यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक–निजी संपत्ति को तोडफोड़ करते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आए। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दस घायल है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिंदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है।

बीते दिनों यूरोपीय देश नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में यहूदियों को फिलीस्तीन समर्थकों द्वारा निशाना बनाया गया। सदियों से यहूदी मजहबी कारणों से ईसाइयत और इस्लाम के निशाने पर है। इसी तरह हिंदुओं के उत्पीडन का भी काला इतिहास है। इन सबके सैंकड़ों नहीं, बल्कि हजारों उदाहरण और प्रमाण मौजूद है। आखिर मजहब के नाम पर व्यक्ति द्वारा अन्य इंसानों को प्रताड़ित करने के पीछे कौन–सी मानसिकता या विचारधारा है?

आखिर एम्सटर्डम में क्या हुआ था? बीते 7 नवंबर को यहां खेले में एक फुटबॉल मैच में इजराइली टीम भारी अंतर से हार गई थी। जब निराश इजराइली प्रशंसक स्टेडियम से बाहर निकले, तब फिलीस्तीन समर्थकों ने अपनी गाडियों में सवार होकर उन्हें दौड़ा–दौड़कर मारना–पीटना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर इसकी कई वीडियो वायरल है, जिसमें यहूदियों को पीटते, उनका चाकुओं से पीछा करते और सार्वजनिक–निजी संपत्ति को तोडफोड़ करते हुए देखा जा सकता है। कुछ यहूदी अपनी जान बचाने के लिए स्थानीय इमारतों में घुसते और नहर में कूदते भी नजर आए। मामले में 62 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जबकि दस घायल है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री ने कहा, यह एक भयानक यहूदी विरोधी हमला है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं बेहद शर्मिंदा हूं कि 2024 में नीदरलैंड में ऐसा हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी यहूदियों पर हमले को शर्मनाक और घृणित बताया है।

यूरोप में यहूदी–विरोधी हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। अकेले नीदरलैंड में वर्ष 2022–23 के बीच यहूदियों पर हमलों में 245 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हमास के हमले के बाद ब्रिटेन में 550 यहूदी–विरोधी घटनाएं दर्ज हुई है। फ्रांस भी इससे अछूता नहीं है। क्या इस बवाल की जड़ें केवल 7 अक्टूबर 2023 को फिलीस्तीन समर्थक हमास जिहादियों द्वारा इजराइल पर घातक आतंकवादी हमले के बाद इजराइल की अबतक जारी जवाबी सैन्य कार्रवाई (बहुपक्षीय), जिसमें 40 हजार से अधिक लोगों की मौत का दावा किया जा रहा हैकृ उसमें ही मिलती है? सच तो यह है कि यहूदियों को हालिया कारणों से ही नहीं, बल्कि मजहबी कारणों से भी उन्हें सतत उत्पीडन का सामना करना पड़ रहा है।

विश्व विख्यात इनसाइक्लोपीडिया शब्रिटानिकाष में अनुसार, पहली शताब्दी में ईसाइयत के विस्तार के बावजूद अधिकांश यहूदी उसे मजहब के रूप में अस्वीकार करते रहे। इसके परिणामस्वरूप, चौथी शताब्दी तक ईसाइयों ने ईसा मसीह और चर्च को अस्वीकार करने के कारण यहूदियों को अलग समुदाय मानना शुरू कर दिया। जब ईसाई चर्च रोमन साम्राज्य में प्रभावशाली हुआ, तब उसने रोमन सम्राटों को यहूदी विरोधी कानून बनाने के लिए प्रेरित किया। इनका उद्देश्य ईसाई प्रभुत्व को चुनौती देने वाले किसी भी खतरे को समाप्त करना था। इस कारण यहूदी यूरोपीय समाज में हाशिये पर धकेल दिए गए।

इस चिंतन का भयावह रूप मध्यकाल में भी दिखा। वर्ष 1466 में तत्कालीन पोप पॉल–2 के निर्देश पर क्रिसमस के दिन रोम में यहूदियों को सरेआम निवस्त्र करके घुमाया गया था। कालांतर में यहूदी पुजारियों (रब्बी) को जोकर के कपड़े पहनाकर उनका जुलूस निकाले जाने लगा। 25 दिसंबर 1881 को पोलैंड के वारसॉ में 12 यहूदियों को उन्मादी ईसाइयों ने निर्ममता के साथ मौत के घाट उतार दिया, तो कई महिलाओं का बलात्कार तक किया गया। इस प्रकार की प्रताडना के असंख्य उदाहरण है। यहूदी–विरोधी अभियानों ने सदियों तक यूरोप में यहूदियों के लिए असुरक्षा, उत्पीडन और हिंसा का माहौल बनाया, जो चर्च के समर्थन से यूरोपीय समाज और संस्कृति में गहराई तक समा गई, जिसने आगे चलकर 20वीं शताब्दी में तानाशाह एडोल्फ हिटलर जनित श्होलोकॉस्टष का रूप लिया।

हिटलर की अगुवाई में ईसाई बहुल जर्मनी ने 1933–1945 के बीच यहूदियों पर भयंकर अत्याचार हुआ था। इसे प्रारंभ में चर्च का मुखर समर्थन प्राप्त था। एक आंकड़े के अनुसार, तब लगभग 60 लाख यहूदियों (15 लाख बच्चे सहित) की हत्या कर दी गई थी। यहूदियों को जड़ से मिटाने के अपने मकसद को हिटलर ने इतने प्रभावी ढंग से अंजाम दिया कि दुनिया की एक तिहाई यहूदी आबादी खत्म हो गई। चूंकि हिटलर का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था, तो क्या उसे नरपिशाची रूप से यहूदियों के नरसंहार की प्रेरणा सदियों तक चले यहूदी–विरोधी अभियानों से मिली थी?बात यदि भारतीय उपमहाद्वीप की करें, तो वर्ष 712 में अरब आक्रांता मोहम्मद बिन कासिम ने सिंध पर हमला करके भारत में इस्लाम के नाम मजहबी दमन का सूत्रपात किया था। उसी मानस से प्रेरित होकर कालांतर में गजनी, गौरी, खिलजी, तैमूर, तुगलक, बाबर, औरंगजेब, टीपू सुल्तान आदि ने यहां की मूल सनातन संस्कृति और प्रतीकों को क्षत–विक्षत किया और ऐसा उनके मानसपुत्रों द्वारा आज भी हो रहा है। इन्हीं जिहादियों से प्रेरणा से भारत के एक तिहाई क्षेत्र पर इस्लाम का कब्जा (पाकिस्तान–बांग्लादेश) है, जहां इस्लाम–पूर्व संस्कृति के ध्वजावाहकों (हिंदू, सिख और बौद्ध) के लिए कोई स्थान नहीं है।

यही नहीं, जब उत्तर–भारत में इस्लामी प्रचार–प्रसार के नाम पर मजहबी शासकों का आतंकवाद चरम पर था, तब 16वीं शताब्दी में दक्षिण–भारत में जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर ईसाइयत के प्रचार के लिए भारत पहुंचे थे। उस समय जेवियर ने शगोवा इंक्विजीशनष के जरिये से गैर–ईसाइयों के साथ उन सीरियाई और मतांतरित ईसाइयों के खिलाफ भी हिंसक मजहबी अभियान चलाया था, जो रोमन कैथोलिक चर्च का अनुसरण नहीं कर रहे थे। मजहबी मतांतरण का यह कुचक्र अब भी जारी है।

ईवीएम पर सवाल खड़े करने वालों को सुप्रीम फटकार!

thति तो सब ठीक हारे तो ईवीएम खराब। यह फार्मूला विपक्षी दलों ने अपनाया हुआ है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर जिस प्रकार से टिप्पणी की है, उसके बाद से होना तो यह चाहिए कि राजनीतिक दल ईवीएम को लेकर देशवासियों को गुमराह करने की अपनी आदत से बाज आएं। मगर ऐसा लगता है कि कांग्रेस सहित कुछ राजनीतिक दलों ने ईवीएम को निशाना बनाने की आदत पाल ली है। जब भी किसी प्रदेश में विपक्षी पार्टी को जनता नकार देती है, तो राजनीतिक पार्टियों के द्वारा चुनावी हार का ठीकरा ईवीएम मशीन पर फोड़ना शुरू कर दिया जाता है। दुःखद बात यह है कि इस आदत से ये राजनीतिक दल भी ग्रस्त हो गए हैं, जो यह रोना रोते रहते हैं कि संस्थाओं को कमजोर और नष्ट किया जा रहा है। उन्हें यह बुनियादी बात जितनी जल्द समझ आ जाए, उतना ही अच्छा कि ईवीएम पर संदेह जताकर वे चुनाव आयोग की पगड़ी उछालने का ही काम कर रहे हैं। क्या इससे शर्मनाक और कुछ हो सकता है कि जिस चुनाव आयोग की प्रतिष्ठा दुनिया भर में है, उसे संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए बदनाम करने का अभियान हमारे अपने ही लोगों ने छेड़ रखा है। इस अभियान के तहत ईवीएम को अविश्वसनीय करार देने की कोशिश रह–रहकर होती है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने 26 नवम्बर को ईवीएम के स्थान पर मतपत्रों को फिर से लागू करने की मांग बाली जनहित याचिका को खारिज करते हुए टिप्पणी की है कि मशीनों को केवल तभी दोषी ठहराया जाता है जब कोई चुनाव हार जाता है। विपक्षी पार्टियों को लेकर कहा है कि अगर आप चुनाव जीतते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं की जाती है। जब आप चुनाव हारते हैं, तो ईवीएम से छेड़छाड़ की जाती है। जब चंद्रबाबू नायडू हार गए, तो उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है। अब, इस बार जगन मोहन रेडी हार गए, उन्होंने कहा कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है।

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ना बंद कीजिए। दरअसल याचिकाकर्ता केए पॉल ने सुप्रीम कोर्ट में इसको लेकर व्यक्तिगत रूप से याचिका दायर की थी। याचिकाकार्ता पॉल ने बहस करते हुए नायडू द्वारा 2018 के ट्वीट और रेड्डी द्वारा एक्स पर हाल ही में किए गए कुछ पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें चुनावों में उनकी हार के बाद ईवीएम से छेड़छाड़ की संभावना का आरोप लगाया गया था। साथ ही याचिका में चुनाव के दौरान वोटर्स को पैसा, शराब और दूसरी चीजों का लालच देने का दोषी पाए जाने पर ऐसे उम्मीदवारों को कम से कम पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किए जाने की मांग की गई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। अगर देखा जाए तो पहली बार नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम को लेकर सख्त टिप्पणी की है। इसी साल 16 अक्टूबर को कांग्रेस की ओर से प्रिया मिश्रा और विकास बंसल ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान 20 सीटों पर वोटिंग काउंटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगाकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान 17 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि ऐसी याचिका दायर करने पर आप पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इसी साल 26 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने और इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन और बीवी पैट स्लिप की 100 प्रतिशत क्रॉस चेकिंग कराने से जुड़ी याचिकाएं खारिज की थीं। साथ ही ईवीएम के इस्तेमाल के 42 साल के इतिहास में पहली बार जांच का रास्ता खोला था। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस संजीव खन्ना ने ये फैसला सुनाया था।

देखा जाए तो लंबे समय से देश में विपक्षी दल लगातार ईवीएम पर सवाल उठाते रहे हैं। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद पार्टी ने ईवीएम के 99 फीसदी तक चार्ज रहने का मुद्दा उठाया था। अभी हाल में यूपी में संपन्न विधानसभा उपचुनाव मेंभी समाजवादी ने ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि शीर्ष न्यायालय की कड़ी टिप्पणी के बाद भी कांग्रेस ने बैलेट पेपर से चुनाव की मांग के लिए देशव्यापी अभियान चलाने का ऐलान किया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कांग्रेस चाहती हैं कि बैलेट पेपर से ही चुनाव हो और इसके लिए हम भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर पूरे देश में अभियान चलाएंगे लेकिन जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, कांग्रेस से पूछा जाना चाहिए कि अगर ईवीएम में गड़बड़ी कर सत्ताधारी पार्टी चुनाव जीतती है, तो कई प्रदेशों में इंडिया गठबंधन की पार्टियां कैसे जीतती आ रही हैं। हकीकत यह है कि पूरे देश में कांग्रेस अपनी गलतियों के कारण हार रही है। मगर दुःखद बात है कि कांग्रेस हार को स्वीकार कर आत्मंमथन और समीक्षा के बजाय बहानेबाजी का आसान रास्ता चुन लेती है और ईवीएम पर ठीकरा फोड़ने की कोशिश करती है। मगर ऐसा करते हुए वह भूल जाती है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की महान लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसको विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रही है।

कांग्रेस या विपक्षी दल ऐसा पहली बार नहीं कर रहे। इससे पहले भी अपनी–अपनी सुविधा के हिसाब से पार्टियां ईवीएम पर चुप्पी या हो–हल्ला मचाती रही हैं लेकिन ईवीएम एक बार नहीं, कई बार अग्निपरीक्षा से गुजरी और हर बार बेदाग निकली। ईवीएम पर 8 बार परीक्षण किया गया और ये हर बार बेदाग निकली। इंचीएम को लेकर कई बार मामले हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, लेकिन हर बार उसकी विश्वसनीयता असंदिग्ध मिली। वीवीपैट पर्चियों और ईवीएम में दर्ज वोटों के मिलान में कभी कोई विसंगति नहीं दिखी। अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कई राज्यों में ईवीएम में दर्ज वोट और वीवीपैट का मिलान हुआ। सब सही पाया गया और ईवीएम बेदाग साबित हुई। कुल मिलाकर देखा जाए तो ईवीएम हर बार बेदाग साबित हुई है। इसका इस्तेमाल चुनाव प्रक्रिया को आसान बनाने और बूथ कैप्चरिंग जैसे अपराधों पर लगाम लगाने के लिए किया गया। बैलट पेपर से चुनाव के वक्त अक्सर बैलट बॉक्स लूटे जाने, उनमें स्याही डालने, बूथ कैप्चरिंग जैसे अपराध सामने आते थे लेकिन ईवीएम का दौर आने से अब वे अतीत का हिस्सा बनकर रह गए हैं। ईवीएम से वोटिंग से परिणाम भी जल्दी आते हैं नहीं तो बैलट पैपर्स की गिनती में ही 1–2 दिन और लोकसभा चुनाव में तो 3–3, 4–4 दिन तक लग जाते थे।

सुप्रीम कोर्ट ने भी बैलट पेपर से बोटिंग कराने की मांग वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। ईवीएम की शुचिता असंदिग्ध रहे, इसके लिए मशीन में दर्ज वोटों और वीवीपैट पर्चियों का मिलान होता है। पार्टियां अपनी हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़कर अपने समर्थकों का जोश ठंडा होने या उन्हें मायूस होने से तो रोक लेंगे, लेकिन ऐसा करके वे चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को बेवजह दागदार करने की कुत्सित कोशिश भी कर रही होती हैं। संवैधानिक संस्थाओं को लांछित करने का ये खेल खतरनाक है। चुनाव आते–जाते रहेंगे, हार–जीत होती रहेंगी लेकिन निहित स्वार्थों के तहत चुनाव प्रक्रिया को लेकर जनमानस में संदेह पैदा करने की कोशिशें शर्मनाक हैं। कांग्रेस हो या कोई और पार्टी, इस आदत से बाज आना चाहिए। जरूरत इस बात की है कि विपक्ष ईवीएम का नही अपने कार्यकलापों की समीक्षा कर कुछ सबक हासिल करें। ¼fgQh½

बाल विवाह से मुक्तिबेटियों को देगा खुला आसमान

ललित गर्ग ।

यह सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तब बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है।

देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल–विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिये सरकार ने बाल–विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है। यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है? क्यों लोग परंपराओं के खूंटे से बंधकर अपने मासूस बच्चों एवं बचपन से खिलवाड़ करते हैं? हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत दूरगामी मानवीय सोच से जुड़ा एक संवेदनशील आह्वान एक नई सुबह की आहट एवं क्रांति के विस्फोट की संभावना है। यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है, एक रोशनी है, एक मंजिल है, एक सकारात्मक दिशा है। एक वादा है देशभर में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने और समाप्त करने का। यह नये भारत–सशक्त भारत की बुनियाद है। बाल विवाह रोकने के तमाम कार्यों, योजनाओं और कानूनों के बावजूद अगर कामयाबी नहीं मिल रही है, तो जाहिर है, एक विशेष अभियान छेड़कर केन्द्र सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। यह राष्ट्रीय अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई प्रमुख योजना 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की सफलता से प्रेरित है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लड़कियों के बीच शिक्षा, कौशल, उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं बेटियों की आशाओं, आकांक्षाओं, संकल्पों से भरे सपनों की उड़ान को खुला आसमान देने में सक्षम होगा।

यह सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तब बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है। यह बचपन की मासूमियत छीनने वाली 'बालविवाह' की बेड़ियों को तोड़ते हुए जागृति का एक शंखनाद किया है, एक समाज–क्रांति के बीज को रोपा गया है। सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। इसीलिये बाल–विवाह पर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी है कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा–बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। केंद्रीय मंत्री ने उचित ही कहा है कि बाल विवाह मानवधिकारों का उल्लंघन और कानून के तहत अपराध है। अच्छी बात है, सरकार ने अब एक तरह से मान लिया है कि कानून को जितना काम करना था, उसने किया इसके आगे अब विशेष अभियान की जरूरत है। बाल विवाह को रोकने के लिए अकेले कानून के भरोसे न बैठते हुए ठोस जागृति–अभियान की अपेक्षा है। अब सरकार ने इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिये कमर कसी है, तो उसका स्वागत होना चाहिए एवं इस अभियान को व्यापक रूप देना चाहिए। बाल विवाह की कुरीति को देश में व्यापकता से देखने को मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह मानवाधिकार उल्लंघन का सबसे खराब स्वरूप है। ठोस प्रयासों के बावजूद आज भी लगभग पांच में से एक लड़की का विवाह विधिा सम्मत आयु 18 वर्ष से पहले कर दिया जाता है। किसी शहर में अगर एक विवाह सत्र में 1000 शादियां होती हैं, तो उनमें से 200 शादियों में दुल्हन की उम्र शादी लायक वैध नहीं होती। बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यह भी बताया कि पिछले एक साल में लगभग दो लाख बाल विवाह रोके गए हैं। मतलब, सामाजिक संस्थाएं और पुलिस काम तो कर रही हैं पर मंजिल अभी दूर है। बाल विवाह की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, असम और आंध्रप्रदेश में है। देश में 300 ऐसे जिले हैं, जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। ऐसा लग रहा है, लोग बेटियों का जीवन तो बचा रहे हैं, प्राथमिक शिक्षा भी देने लगे हैं पर उन्हें अधिक पढ़ाने और आगे बढ़ाने पर उनका ध्यान नहीं है। बेटियों की जब कम उम्र में शादी होती हैं तो श्रम बल के रूप में न केवल उनकी उत्पादकता, बल्कि देश की क्षमता पर भी असर पड़ता है।बाल विवाह मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' की भविष्य दृष्टि से प्रेरित नये समाज की संरचना का दूरगामी प्रकल्प है। बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है। इन सब दृष्टियों से यह अभियान सदियों से चली आ रही इस त्रासद परम्परा से मुक्ति का माध्यम बनेगा। पढ़ी–लिखी लड़की अगर विवाह–योग्य उम्र से ब्याही जाए, तो वह परिवार और समाज के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। कम उम्र में विवाह से न केवल संतानों की गुणवत्ता बल्कि परिवार की आर्थिक, सामाजिक और मनावैज्ञानिक क्षमता पर भी असर पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बाल विवाह दर में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नए अभियान के अन्तर्गत इस परम्परागत विसंगति एवं विडम्बना को दूर करने के लिये व्यापक प्रयत्न किये जायेंगे। प्रारंभिक कार्ययोजना के अन्तर्गत बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया है। इस पोर्टल के जरिये बाल विवाह के विरोध में जागरूकता बढ़ाई जाएगी, ।

महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के स्वागत में महकेगी प्रयाग की गली गली

07 करोड़ 55 लाख 18 हजार रुपए से सुगंधित होगा प्रयागराज
26225 गमलों में सजाए जाएंगे मौसमी फूल, बड़े पैमाने पर तैयार हो रहे फ्लावर बेड

प्रयागराज। महाकुम्भ शुरू होने से पहले ही प्रयागराज आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधाओं के मद्देनजर योगी सरकार ने जमीनी स्तर पर इंतजाम शुरू कर दिए हैं। इसके लिए यहां 24 घंटे काम जारी है। इसी क्रम में यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पहली बार एक खास इंतजाम किया जा रहा है, जिसको देख पर्यटक खासे रोमांचित नजर आएंगे। महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए इस बार पूरे प्रयागराज को फूलों की खुशबू से महकाने की योजना है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस बार महाकुम्भ में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर पुष्प वाटिकाएं और रंग बिरंगे पौधे क्यारियों और गमलों में लगाए जाने हैं। इसके लिए बाकायदा 07 करोड़ 55 लाख 18 हजार रुपए का बजट रखा गया है।

इसके अंतर्गत 26225 गमलों में मौसमी फूल सजाए जाएंगे। इसके अलावा बड़े पैमाने पर फ्लावर बेड तैयार कर उनकी प्रदर्शनी लगाई जाने की योजना है। मेला क्षेत्र में गंगा किनारे विशेष सजावटी पौधे लगाए जाने का काम शुरू हो गया है।

अयोध्या और काशी के फूलों से महकेगा प्रयागराज

प्रयागराज में महाकुम्भ की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। यहां फूलों के पौधों की बड़ी मांग है। महाकुम्भ को लेकर पूरे प्रयागराज को सुंदर और सुगंधित बनाने के लिए अयोध्या और काशी की नर्सरियों को बड़े पैमाने पर फूलों और सजावटी पौधों के ऑर्डर दिए गए हैं। इस समय मेला के अलावा शहर के प्रमुख स्थलों, पार्कों, सड़कों, चौराहों, एयरपोर्ट और हाईकोर्ट की सजावट में इन पौधों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके साथ ही महाकुम्भ में देश विदेश से आने वाले सैलानियों के आकर्षण के लिए प्रयागराज की गली–गली में सजावट के लिए फूलों के गमले रखने का काम भी शुरू हो गया है।

गेंदा, गुलाब, जूही करेंगी आकर्षित

इस वर्ष महाकुम्भ के लिए खासतौर पर गुलाब, डहेलिया, जूही, मेरीगोल्ड, कामिनी, चांदनी, गुलदावरी, नेरियम और गेंदा के विभिन्न किस्मों की मांग है। साथ ही, सजावटी पौधों में एरिका पॉम, स्पाइंडल लिली, पीस लिली, बम्बू, धन लक्ष्मी, विष्णु कमल, और रेड मंचीरा शामिल हैं।

महाकुम्भ को सफल बनाने को ग्राउंड जीरो पर उतारी गई अफसरों की टीम

करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए सौंपी गई अलग-अलग जिम्मेदारी

प्रयागराज ।महाकुम्भ–2025 के दिव्य और भव्य आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष क्षेत्रों में तैनात किया जा रहा है। इन अधिकारियों पर विभिन्न गतिविधियों की देखरेख और प्रबंधन का दायित्व होगा। इसी क्रम में जिलाधिकारी प्रयागराज के द्वारा अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुसार कार्यक्षेत्र सौंप दिए हैं। मेला आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है।

क्षेत्र की व्यवस्था देखेंगे अधिकारी

जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार महाकुम्भ–2025 के किसी भी कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी के आदेशानुसार सभी आवश्यक कार्यवाही के प्रभारी होंगे। वहीं, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनय कुमार सिंह झूसी और आस–पास के क्षेत्र का सम्पूर्ण प्रबंधन देखेंगे। अपर जिलाधिकारी (भूलेख) कुँवर पंकज नैनी और उसके आस–पास के क्षेत्र का कार्य देखेंगे, जबकि अपर जिलाधिकारी (नजूल) प्रदीप कुमार के पास फाफामऊ और आस–पास के क्षेत्र की जिम्मेदारी होगी। अपर जिलाधिकारी (नगर) मदन कुमार को नगर क्षेत्र की सम्पूर्ण देखरेख का जिम्मा दिया गया है तो अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूजा मिश्रा को आईसीसीसी (प्रयागराज मेला प्राधिकरण) में स्थित कंट्रोल रूम का प्रभार सौंपा गया है।

इसके अतिरिक्त महाकुम्भ–2025 के प्रमुख स्नान पर्व को सकुशल एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने हेतु रेलवे स्टेशनों पर श्रद्धालुओंध्स्नानार्थियों एवं भक्तजनों की भीड़ के दृष्टिगत नोडलध्सहायक नोडल अधिकारी, सेक्टरवार अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। पीडीए वीसी अमित पाल शर्मा को प्रयागराज जंक्शन का नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि अपर नगर मजिस्ट्रेट (तृतीय) सुदामा वर्मा को सूबेदारगंज और अपार नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव रामबाग रेलवे स्टेशन के नोडल होंगे। इसी तरह, अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) संदीप तिवारी प्रयाग रेलवे स्टेशन, ओएसडी पीडीए संजीव कुमार उपाध्याय फाफामऊ रेलवे स्टेशन, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेरणा गौतम प्रयाग संगम, अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय दारागंज रेलवे स्टेशन के नोडल होंगे। अपर उप जिलाधिकारी सदर गणेश कनौजिया को झूसी रेलवे स्टेशन, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) करछना, जूही प्रसाद को नैनी रेलवे स्टेशन और उप जिलाधिकारी जयजीत कौर को छिंवकी–नैनी रेलवे स्टेशन का नोडल बनाया गया है। ये सभी नोडल, सहायक नोडल अधिकारियों और सेक्टर अधिकारियों के साथ मिलकर व्यवस्था देखेंगे। इसके साथ ही समस्त होल्डिंग एरिया की व्यवस्था हेतु भी नोडल, सहायक नोडल और सेक्टर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

वक्फों, न्यासों और ट्रस्टों से सम्बन्धित साक्ष्य 5 दिसम्बर तक कराये उपलब्ध

प्रयागराज ।जनपद प्रयागराज में संचालित वक्फों, न्यासों, (ट्रस्टों) और धर्मस्वों को देय वार्षिक वृत्तियां (एन्यूटीज) को संचालित करने वाले धारकों को अवगत कराया जा रहा है कि जनपद प्रयागराज में संचालित वक्फों, न्यासों, (ट्रस्टों) और धर्मस्वों को देय वार्षिक वृत्तियां (एन्यूटीज) के सम्बन्ध में अभिलेखध्साक्ष्य दिनांक 05.12.2024 तक मुख्य राजस्व अधिकारी प्रयागराज के कार्यालय में उपस्थित होकर डी0एल0आर0 के पटल पर एन्यूटीज से सम्बन्धित अभिलेखध्साक्ष्य उपलब्ध कराये। यह जानकारी मुख्य राजस्व अधिकारी श्री कुंवर पंकज ने दी है।

कमिश्नर ने किया चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का निरीक्षण

प्रयागराज ।महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा कराए जा रहे विभिन्न कार्यों में से मजार चौराहे, तेलियरगंज चौराहे एवं महिला ग्राम चौराहे (चौफट यज्ञका) पर कराए जा रहे चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का निरीक्षण आज मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने सभी संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया। उन्होंने सर्वप्रथम मजार चौराहे पर कराए जा रहे दोनों रोटरी के कार्यों की प्रगति समीक्षा की जिसके अंतर्गत कॉन्ट्रैक्ट की सीमा पूरी हो जाने के पश्चात् भी कार्यों की प्रगति धीमी पाई गई ।तेलियरगंज चौराहे के निरीक्षण के दौरान भी कॉन्ट्रैक्ट की सीमा पूरी हो जाने के पश्चात् भी कार्यों की प्रगति धीमी पाई गई। मण्डलायुक्त ने कार्यों में शिथिलता बरतने तथा कॉन्ट्रैक्ट की सीमा पूरी हो जाने के पश्चात् भी कार्यों की प्रगति धीमी होने पर सम्बंधित अधिकारी को ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए हैवी पेनाल्टी लगाने (लिक्यूडेशन डैमेज लेने) तथा दोनों चौराहों के अवर अभियंता एवं सहायक अभियंता को एडवर्स एंट्री देने के निर्देश दिए ।इसी क्रम में उन्होंने महिला ग्राम चौराहे (चौफटका) पर कराए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। उक्त चौराहे के कई साइटों पर एक साथ कार्य होना था जिसके दृष्टिगत ठेकेदार को लेबरों की संख्या बढाते हुए कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए थे। परन्तु निरीक्षण के दौरान लेबरों की संख्या अपेक्षा से कम पाई गई। मण्डलायुक्त ने कॉन्ट्रैक्ट की सीमा पूरी हो जाने के पश्चात् भी कार्यों की प्रगति धीमी होने पर सम्बंधित अधिकारी को ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए हैवी पेनाल्टी लगाने (लिक्यूडेशन डैमेज लेने), दोनों चौराहों के अवर अभियंता एवं सहायक अभियंता को एडवर्स एंट्री देने तथा कार्यों में शिथिलता बरतने पर ठेकेदार को डीबार करने पर विचार करने के निर्देश दिए।

प्रयागराज जंक्शन पर महाकुंभ रेल महोत्सव-2025 आयोजित

आर्ट आफ लिविंग के सदस्यों ने रेल महोत्सव में दीं प्रस्तुतियां

प्रयागराज ।दिनांक 28 नवम्बर, 2024 को प्रयागराज मण्डल द्वारा 'महाकुंभ रेल महोत्सव–2025' के अंतर्गत प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या –1 के बाहरी प्रांगण में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया । सांस्कृतिक संध्या का आयोजन 28 फरवरी, 2025 तक प्रत्येक गुरुवार को किया जाएगा ।

इस कार्यक्रम में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से श्री राकेश जायसवाल, श्रीमती मीरा जायसवाल, श्री धर्मेन्द्र जी, श्री बृहस्पति पांडे एवं सुश्री रुपाली जैन ने शानदार प्रस्तुतियां दीं । श्री रंजीत सिंह, श्री आकाश कुमार, श्री अनिल कुमार एवं शैलाग्य सिन्हा ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में वाद्य यंत्रों से कलाकरों को साज दिया और समा बांधा दिया । आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के संस्थापक श्री श्री रविशंकर हैं द्य इस संस्था के 180 से अधिक देशों में केंद्र हैं। दिन प्रतिदिन के तनाव और खिंचाव के बीच खुश रहकर जीवन का आनंद लेना ही आर्ट ऑफ लिविंग है। यह एक तकनीक है, जिसके माध्यम से तनाव और चिंताओं को दूर कर जीवन में खुशी और आनंद लाने की कला सीखी जाती है। आर्ट ऑफ लिविंग संस्था चिन्ता, अवसाद व तनाव से मुक्ति एवं आत्म–विकास के लियें कार्य करता है। इस अवसर पर अपर मण्डल रेल प्रबंधकध्इन्फ्रा श्री नवीन प्रकाश, वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी–प्प श्री वैभव गुप्ता एवं महिला कल्याण समितिध्प्रयागराज की अध्यक्षा श्रीमती निधि बडोनी भी उपस्थित रहीं द्य इस कार्यक्रम का मंच संचालन श्री मिथलेश कुमार ने कियाप्रयागराज मण्डल, महाकुंभ–2025 में आने वाले श्रद्धालुओं के अनुभव को शानदार, सुखद और यादगार बनाने के लिए बड़े स्तर पर तैयारी कर रहा है । यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा व जागरूकता के लिए प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी एवं सूबेदारगंज स्टेशनों पर की गयी तैयारियों एवं योजना के बारे में मण्डल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी ।ष्महाकुंभ रेल महोत्सव–2025ष में गायन, नृत्य एवं काव्य पाठ में रुचि रखने वाले स्वैच्छिक प्रतिभागी बनने के लिए अपनी कला का वीडियो क्लिप (श्री रंजीत सिंह (मो– 9335577217) को व्हाट्सएप पर अथवा ईमेल ूमसंितमदबत2490 ⁄ हउंपस.बवउ पर अथवा हित अनुभाग कक्ष संख्या 46, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रयागराज पर भेज सकते है। जिसकी सांस्कृतिक टीम द्वारा स्क्रीनिंग किए जाने के उपरांत सांस्कृतिक संध्या में कार्यक्रम आयोजित किए जाने हेतु आमंत्रित किया जाएगा । कार्यक्रम में सहभागिता का आवेदन व्यक्तिध्समूहध शैक्षिक संस्थाध्स्कूलध्कॉलेजध विश्वविद्यालय द्वारा किया जा सकता है द्य कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को रेल विभाग द्वारा प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित भी किया जाएगा।

बंचितों को सशक्त बनाने के लिए काम करती है अकांक्षा समिति

प्रयागराज ।मण्डल अंकाक्षा समिति की अध्यक्षा श्रीमती हेमा पंत एवं जिला अंकाक्षा समिति की अध्यक्षा डा0 कविता के नेतृत्व में अंकाक्षा समिति के द्वारा गुरूवार को आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के साथ मिलकर लड़कियों को शास्त्रीय नृत्य और गायन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसके साथ ही उन्हें मंच प्रदान किया गया और उनके प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान स्वरूप प्रोत्साहन भी दिया गया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में गरीब लड़कियों को खेलों में भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से एक दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन भी अकांक्षा समिति के द्वारा किया गया था। आगामी योजनाओं के तहत, अकांक्षा समिति एक महीने की नृत्य कार्यशाला आयोजित करने की योजना बना रही है। इस पहल का उद्देश्य इन लड़कियों को महाकुंभ आयोजन में प्रदर्शन के लिए तैयार करना है, जिससे उन्हें एक अमूल्य अनुभव और यादगार अवसर प्राप्त हो सके। अकांक्षा समिति, 1987 में स्थापित, उत्तर प्रदेश के भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों की पतिवर्ग संघ के तहत पंजीकृत एक गैर–सरकारी संगठन (एनजीओ) है। यह संगठन राज्य में हाशिए पर मौजूद महिलाओं, लड़कियों और अन्य वंचित समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य और आय सृजन के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए काम करता है। इसका संचालन विभागीय और जिला स्तर की टीमों के सहयोग से किया जाता है।

महाकुंभ मेले को स्वच्छ बनाने के लिए छात्रों ने निकाली विशाल रैली

प्रयागराज 2025 महाकुम्भ को भव्य दिब्य सुन्दर स्वच्छ बनाए रखने के लीये राधारमण इण्टर कालेज दारागज के छात्र छात्राओ द्वारा एक विशाल रैली निकालकर जो प्रयागराज संगम स्टेशन कच्ची सड़क निराला चौक पर बच्चो द्वारा एक नुक्कड नाटक के माध्यम से लोगो को जागरुक करते हुए बच्चो ने अपने गीत के माध्यम से और हाथ मे स्लोगन लिखे तिख्ती लेकर लोगो से रास्ते भर अपील करते हुए कह रहे थे महाकुम्भ को साफ स्वच्छ बनाए रखने के लीये पॉलिथिन का इस्तेमाल न करे उसके स्थान कपड़े के झोले मिट्टी के कुल्हण कप कागज के कप ग्लास पत्तल का प्रयोग करे बच्चो के नुक्कड नाटक को देख कर लोगो ने तालिया बजाकर बच्चो के किये गये अपील को और लोगो के बीच जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया रैली का नेतृत्व स्वच्छता ब्राण्ड एम्बेसेडर दुकानजी सिंगल यूज प्लास्टिक को न ईस्तेमाल करने के लिये लोगो से अपिल किया कालेज के प्रबन्धक शिरिश अग्रवाल ने भी लोगो से महाकुम्भ को साफ स्वच्छ बनाए रखने के लिये लोगो से स्वच्छता पॉलिथिन के प्रति जागरुक किया कालेज के प्रिसपल जैन जी ने अपने क्लास के शिक्षको से रोज अपने क्लास मे 5 मिनट बच्चो को स्वच्छता के प्रति बताये रैली के अंत मे सभी लोगो को दुकानजी ने स्वच्छता के प्रति संकल्प दिलाया उपस्थित लोगो मे भी अपने अपने महाकुम्भ को भव्य दिब्य बनाने के लिए विचार दिये ये जानकारी प्रेष को दुकानजी ने दिया

युवाओं का सामाजिक व चारित्रिक विकास के बिना राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं -पाठक

प्रयागराज ।विद्या भारती से संबद्ध काशी प्रांत के रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज राजापुर प्रयागराज में वंदना सभा के उपरान्त कक्षा नवम से द्वादश तक के छात्र–छात्राओं के समक्ष प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय की अध्यक्षता में षीता विज्ञान और कर्मयोग ष विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यालय के संगीताचार्य मनोज गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि और वक्ता सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार पाठक एवं प्रधानाचार्य जी के द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती और भारत माता की आरती करके किया गया। तत्पश्चात अशोक पाठक ने अपने उद्बोधन में श्श्रीमद्भगवद गीताश में कर्म योग विज्ञान पर बोलते हुए कहा कि ष्योगः कर्मसु कौशलमष कर्म की कुशलता ही योग है। कर्म, अकर्म, विकर्म की व्याख्या करते हुए उन्होने बताया कि जो मनुष्य के द्वारा किये जाने योग्य है वह कर्म हैं जो कि किये जाने चाहिए। अकर्म निषिद्ध कर्म हैं जो कि नहीं किये जाने चाहिए और विकर्म विहित कर्म के विरुद्ध कर्म हैं। व्यक्ति को पता होना चाहिए कि क्या करने योग्य है, क्या नहीं करना चाहिए तथा कर्म को किस विधि से करना चाहिए। गीता के चौथे अध्याय के सोलहवें श्लोक में कहा गया है किष्कर्मणो ह्यपि बोधव्यं, बोधव्यं च कि विकर्मणरू ।अकर्मणश्च वोधव्यं गहना कर्मणो गतिःष

युवाओं के बौद्धिक, सामाजिक व चारित्रिक विकास के बिना उत्तम राष्ट्र का निर्माण नहीं हो सकता स राष्ट्र निर्माण अभियान में गीता का कर्म विज्ञान उत्तम मार्गदर्शन करता है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन एवं मुख्य अतिथि का सम्मान करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पाण्डेय ने कहा कि गीता से युवाओं को मार्ग दर्शन लेना चाहिए, और राष्ट्र निर्माण अभियान को शक्ति प्रदान करते हुए भारत को विश्व नेतृत्व के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिए।

कार्यक्रम में अभिभावक बंधुओं के साथ–साथ विद्यालय के शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं की उपस्थिति रही स कार्यक्रम का कुशल एवं सफल संचालन सत्य प्रकाश पाण्डेय ने किया

'प्रयागराज मण्डल में माह नवम्बर में 14 रेल कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त'

प्रयागराज ।आज दिनांक 29. 11.2024 को 14 रेल कर्मचारी प्रयागराज मण्डल, उत्तर मध्य रेलवे से सेवानिवृत्त हुए। इन सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में से श्री अवधेश कुमार विश्वकर्मा एवं श्री दया नन्द को सुरक्षित ट्रेन संचालन हेतु 'एक्सीडेंट फ्री अवार्ड' से सम्मानित किया गया। इस माह सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को कुल लगभग रु 5,51,66,569ध– का समापन भुगतान नियमानुसार डिजिटल माध्यम से किया गया। प्रयागराज मण्डल कार्यालय के मंडल सभागार में अपर मण्डल रेल प्रबंधकध्सामान्य श्री संजय सिंह एवं वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, श्री मनीष कुमार खरे द्वारा सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को समापन भुगतान से संबंधित समस्त प्रपत्रों के साथ स्मृति चिन्ह के रूप में गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल सम्मान सहित सौंपा गया। वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी, श्री मनीष कुमार खरे द्वारा सेवानिवृत्ति के उपरांत कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले भुगतान, मानार्थ पास, भ्त्ङै एवं न्डप्क की सुविधाओं के विषय में जानकारी प्रदान किया गया ए अपर मंडल रेल प्रबंधक महोदय ने सभी सेवानिवृत कर्मचारियों को रेल सेवा में उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके आगामी पारिवारिक जीवन में स्वस्थ एवं सक्रिय रहने की कामना की द्य कार्मिक विभाग एवं लेखा विभाग की टीम ने अथक परिश्रम करते हुए इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

आश्वासन पर परिजनों ने किया युवक का अंतिम संस्कार

जौनपुर। जिले के सिंगरामऊ थाना अन्तर्गत डेहुणा गांव निवासी अजय हरिजन की बीते बुधवार को बदलापुर पूरा मुकुंद गांव में विद्युत तार की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया था। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई । शव का पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। इस दौरान परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया। ज्ञात हो कि बदलापुर पूरा मुकुंद गांव में विद्युत तार की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया था। अजय बिजली ठीक करने पोल पर चढ़ा था बिजली शटडाउन ना होने से अजय बुरी तरह धू–धू कर जलने लगा आनन फानन में लोगों ने अजय को अस्पताल ले गए जहां हालत गंभीर देखते हुए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। । विधायक ने विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से बात करके दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई किए जाने तथा दोनों मृतक के परिवारों को दस लाख रुपए का आर्थिक सहायता,पशु सेड, मुख्यमंत्री आवास, हैंड पंप, बाल विकास योजना से बच्चों के लिए 4000 प्रतिमाह दिलवाने का आश्वासन दिया। तब जाकर परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। मौके पर एसडीम बदलापुर, तहसीलदार बदलापुर, थाना प्रभारी बदलापुर, थाना प्रभारी सिंगरामऊ, भारीफोर्स के साथ तैनात रहे।

मिलेगा दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार

जौनपुर। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी ने अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत दम्पत्ति मे युवक के दिव्यांग होने की दशा में रू0 15 हजार व युवती के दिव्यांग होने की दशा में रू0 20 हजार तथा युवक–युवती दोनों के दिव्यांग होने की दशा में रू0 35 हजार धनराशि का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया जाता है। उक्त हेतु पात्रता की शर्ते के बारें में बताया है कि शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हों। युवती की उम्र 18 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक न हों। दम्पत्ति में कोई आयकरदाता न हों। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त दिव्यांग प्रमाण–पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए ऑनलाईन फार्म भरते समय आवेदक दम्पत्ति को दिव्यांगता प्रदर्शित करने वाला संयुक्त नवीनतम् फोटो, आय प्रमाण–पत्र, युवक एवं युवती का आयु प्रमाण–पत्र (जिसमें जन्मतिथि का अंकन हों), सक्षम प्राधिकारी से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण–पत्र, रजिस्ट्रीकृत बैंक खाता में संचालित संयुक्त खाता, अधिवास का प्रमाण पत्र एवं युवक एवं युवती की आधारकार्ड की छायाप्रति पोर्टल पर अपलोड किये जायेंगे। ऑनलाईन सबमिट आवेदन पत्र की प्रिंट की प्रति एवं वांछित प्रपत्रों की हार्डकापी कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है।

प्रयागराज मण्डल में संरक्षित संचालन संरक्षा क्लास काउन्सलिंग

प्रयागराज ।दिनांक को बहुउद्देशीय मण्डल संस्थान परिचालन, उत्तर मध्य रेलवेध्सूबेदारगंज में गाड़ियों का। संरक्षित संचालन एवं शंटिंग से संबंधित संरक्षा क्लास एवं काउन्सलिंग की गयी जिसमें प्रयागराज मण्डल के अलग–अलग स्टेशनों से आये हुए 33 प्रशिक्षुओं (पॉइंट्स मैन) ने भाग लिया। संरक्षा–क्लास में विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संरक्षा सलाकार चन्द्रिका प्रसाद ने संरक्षा–क्लास के माध्यम से संरक्षित ट्रेन ऑपरेशन तथा सुरक्षित शंटिंग संचालन से सम्बंधित विशेष प्रशिक्षण दिया । इस प्रशिक्षण में संस्थान के प्रधानाचार्यध्मुख्य अनुदेशक, श्री नन्द लाल तथा वरिष्ठ अनुदेशक, श्री राम बिहारी वर्मा भी उपस्थित थे।

एंटीरोमियों स्क्वाड ने चलाया जागरुकता अभियान

प्रयागराज ।आज दिनांक–29.11.2024 को श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में एवं पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुलश पर्वेक्षण में गंगानगर–जोन के विभिन्न थानों द्वारा चलाये जा रहे अभियान षमिशन शक्ति फेज–05ष के तहत एंटीरोमियों स्क्वाड द्वारा महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध में बालिकाओंध्छात्राओं एवं महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर, महिला हेल्प डेस्क, एण्टी–रोमियों स्क्वायड, बाल श्रम उन्मूलन, शक्ति दीदी, यू0पी0–112, वूमेन पावरलाइन–1090 व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स एवं कल्याणकारी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन राष्ट्रीय पोषण मिशन, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 01 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

बेहतर योजना बनाकर अयोध्या के ग्रामीण अंचलों का किया जाए विकास : नरेन्द्र सिंह

-पूर्वांचल विकास बोर्ड बैठक में अयोध्या के विकास पर हुई चर्चा

अयोध्या(एजेंसी)। पूर्वांचल क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए गठित पूर्वांचल विकास बोर्ड की बैठक गुरूवार को पूर्वांचल विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयुक्त सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने उपाध्यक्ष का बुके देकर स्वागत किया गया तथा सदस्यों का स्वागत मण्डल के सभी जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों द्वारा बुके देकर स्वागत किया गया। बैठक की शुरुआत उपाध्यक्ष ने सभी सदस्यों व अधिकारियों के परिचय के साथ किया। बैठक का संचालन करते हुये निदेशक क्षेत्रीय नियोजन प्रभागध्सचिवालय–पूर्वा0बोर्ड वी0के0 अग्रवाल ने बोर्ड के गठन के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये बताया कि पूर्वांचल के 8 मण्डलों एवं 28 जिलों के चौमुखी विकास के लिए बोर्ड का गठन किया गया है। तत्पश्चात बोर्ड के सदस्यों ने विकास को दृष्टिगत रखते हुये यथा–पर्यटन विकास, पशुपालन, शिक्षा, सड़क निर्माण, मत्स्य, आवास आवंटन, आपदा प्रबन्धन, नलकूप, कृषि, चिकित्सा, जल संरक्षण, महिला समूह आदि महत्वपूर्ण पहलुओं पर सुझाव उपाध्यक्ष एवं प्रशासन के समक्ष रखे गये। उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा अयोध्या धाम का समग्र विकास किया जा रहा है इसके साथ साथ अयोध्या के ग्रामीणांचल का भी विकास किया जाना है। इसके लिए बेहतर योजना बनाकर अयोध्या के ग्रामीण अंचलों का भी विकास किया जाय। उन्होंने बैठक के दौरान सदस्यों द्वारा दिये गये सुझावों को शासन स्तर पर प्रेषित करने के निर्देश दिये तथा मण्डल के जिन–जिन क्षेत्रों में समस्याओं के बारे में बताया गया उन पर जिला प्रशासन को प्राथमिकता पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने पूर्वांचल क्षेत्र के विकास के लिए अयोध्या गोंडा मार्ग को, गोंडा से बहराइच मार्ग को तथा सिद्धार्थनगर से बहराइच मार्ग को फोरलेन करने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। उपाध्यक्ष ने अयोध्या की महत्वाकांक्षी योजना रिंग रोड का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने तथा पूर्वांचल के सभी जिलों की सड़को के कार्य पर, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, पर्यटन, वन विभाग व छुट्टा जानवरो की समस्याओं का भी निस्तारण करने के निर्देश दिये गये। बैठक में मण्डलायुक्त गौरव दयाल ने उपाध्यक्ष एवं सभी सदस्यों को अयोध्या मण्डल के सम्बंध में संक्षिप्त जानकारी देते हुये कहा कि अयोध्या नगरी को धार्मिक नगरी के रूप में विकसित करने के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न परियोजनाएं संचालित है, जिनको निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के लिए जिला प्रशासन प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि बोर्ड के सदस्य जमीनी हकीकत जानकर अपने–अपने जिलों के विकास की रूपरेखा का प्रस्ताव बैठक में रखते है, बैठक के बाद प्रस्ताव को शासन को भेजा जाएगा, सदस्यों के सुझाव व रिकमेंडेशन के आधार पर शासन को प्रस्ताव सबमिट किया जाता है, बहुत सी योजनाएं शासन से स्वीकृत भी होती है, इन सभी मुद्दों पर चर्चा हुई है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार की मंशा के अनुरूप विभागीय अधिकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे तथा अयोध्या जनपद के साथ साथ इससे जुड़े आसपास के जनपदों में भी विकास के कार्य प्राथमिकता पर किये जा रहे है। बैठक के दौरान उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह के निर्देशों पर उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण अश्विनी पांडेय, नगर आयुक्त संतोश कुमार शर्मा, मण्डल के समस्त मुख्य विकास अधिकारियों द्वारा जनपद के विकास हेतु बोर्ड द्वारा किये जाने वाले सहयोग व बिन्दुओं पर चर्चा की गयी और कहा गया कि इसका प्रस्ताव तैयार करके बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करें जिससे विकास को गति प्रदान की जा सकें। बैठक के अन्त में विशेष सचिव नियोजन विभाग अमित कुमार बंसल ने उपाध्यक्ष व सदस्यों पूर्वांचल विकास बोर्ड का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कहा कि बोर्ड व शासन की मंशा के अनुरूप पूर्वांचल क्षेत्र का समग्र विकास किया जायेगा और जिन–जिन स्थानों को पर्यटन के रूप में विकसित किया जाना है उनमें सुदृढ़ीकरण का कार्य युद्वस्तर पर चलाकर सम्पादित कराया जायेगा। बैठक में सदस्य जयप्रकाश निषाद, विजयशंकर यादव, परदेशी रविदास, बौद्ध अरविन्द सिंह पटेल, जितेन्द्र पांडेय, विजय विक्रम सिंह, राजकुमार शाही, ओम प्रकाश गोयल, अशोक चौधरी व डा. के0पी0 श्रीवास्तव ने पूर्वांचल विकास बोर्ड से सम्बधित अपने–अपने सुझाव दिये।

अवध विवि में दो वर्ष पूर्ण होने पर कुलपति ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेट

-कुलाधिपति ने कुलपति की शैक्षिक गतिविधियों के प्रयासों को सराहा

अयोध्या(एजेंसी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के दो वर्ष पूरे होने पर कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा उनके प्रयासों को सराहा। संविधान दिवस के दिन कुलपति प्रो. गोयल ने कुलाधिपति से दो वर्ष सफलतापूर्वक पूरे होने पर शिष्टाचार भेट की। कुलाधिपति ने उनके द्वारा की गई शैक्षिक गतिविधियों में तीव्रता की सराहना की। मालूम हो कि कुलाधिपति एवं राज्यपाल द्वारा प्रो. गोयल को तीन वर्ष के लिए विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया था। इन्होंने 22 नवम्बर, 2022 को विश्वविद्यालय की कुलपति का कार्यभार ग्रहण किया। इनके तीन वर्ष में से दो वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने कुलाधिपति से शिष्टाचार भेट की। कुलपति प्रो0 गोयल के दो वर्ष में कई शैक्षणिक गतिविधियां शामिल रही जिनमें छात्र–छात्राओं को रोजगार से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय में स्किल हब की स्थापना की गई और 55 से अधिक शोध संस्थानों के साथ प्रशिक्षण, प्लेसमेंट संबंधी एमओयू किया गया। वही शोध छात्रों के लिए राष्ट्रीय, अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियां एवं फेलोशिप के लिए विश्वविद्यालय स्तर से वित्तीय सहायता के लिए प्रावधान किया गया है। वहीं सत्र 2024–25 में विश्वविद्यालय में शोध एवं विकास नीति लागू की गई। दूसरी ओर कुलपति प्रो0 गोयल के कुशल निर्देशन में विश्वविद्यालय में शिक्षकों की सुविधा के लिए परामर्श नीति बनाई गई है। महिलाओं को बेटियों को जागरूक करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गांव में व्यापक स्तर पर जागरूकता शिविर लगाये गए। इसके अलावा छात्र–छात्राओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मशरूम उगाने का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं विद्यार्थियों के लिए फ्री ओपेन लाइब्रेरी की सुविधा प्रदान की गई। इस वर्ष कुलपति प्रो0 गोयल कुशल प्रबंधन में रामनगरी अयोध्या में श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहले दीपोत्सव में 2512585 दीयों को प्रज्ज्वलित एक नया विश्व रिकार्ड बना। इसके अतिरिक्त अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस पर 1 लाख 23 हजार 664 लोगों को योग शपथ दिलाई एवं राजभवन में सम्मानित की गई। इसके अलावा कुलपति प्रो. गोयल की उपलब्धियों में पीएम उषा के तहत विश्वविद्यालय को 100 करोड़ का अनुदान स्वीकृत हुआ। वही विश्वविद्यालय को नैक ग्रेडिंग में 'ए प्लस प्लस' दिलाने के लिए एक्यूआर सबमिट करने की तैयारी जोरों पर है। इसके अलावा कुलपति के विश्वविद्यालय में दो वर्ष के कार्यकाल में कई अनगिनत शैक्षिक गतिविधियां शामिल रही। इस उपलब्धि पर कुलाधिपति ने कुलपति प्रो. गोयल का बधाई दी। मौके पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर बोबड़े राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी डॉ. पंकज एल जॉनी सहित अन्य मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं की रामायण प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोहा

-समारोहपूर्वक सम्पन्न हुआ झुनझुनवाला ग्रुप आफ इन्स्टीट्यूशन का वार्षिकोत्सव

अयोध्या(एजेंसी)। झुनझुनवाला ग्रुप ऑफ इन्स्टीट्यूशन का वार्षिकोत्सव समारोहपूर्वक गुरूवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि असिस्टेन्ट सिटी मजिस्ट्रेट अंशिका दीक्षित थी। मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती जी के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया, महाविद्यालय की डायरेक्टर डेवलपमेण्ट मीनाक्षी मोदी ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुझे यह खुशी है कि यह महाविद्यालय पूर्वांचल का अग्रणी महाविद्यालय है हमारी सोच है कि बच्चे पढ़ने के साथ साथ नृत्य गायन वादन की कला कौशल में भी महारत हासिल करके इस संस्थान के छात्र आने वाले टीवी चौनलों में एवं देश के कोने कोने में शिक्षा एवं कला कौशल का परचम लहरा रहे है। गणेश वन्दना महाविद्यालय के छात्राओं रिया, मुस्कान, रोशनी, द्वारा प्रस्तुत की गई। उसके पश्चात् रामायण कार्यक्रम की प्रस्तुति ने बच्चों एवं दर्शकों का मन मोह लिया राम के रूप में अंश सिंह और अस्मित पाण्डेय, सीता के रूप में आकृति पाण्डेय, सृष्टि, रावण के रूप में शिवांश पाठक, हनुमान के रूप में हरि कृष्ण, एवं लक्ष्मण के रूप में अतुल तिवारी, एवं रत्नेश शुक्ला, ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उपस्थित संस्थान के चेयर मैन लक्ष्मी कान्त झुनझुनवाला एवं उनकी पत्नी नैना झुनझुनवाला, भागीरथ पचेरीवाला, संस्थान के निदेशक गिरजेश त्रिपाठी, पालीटेक्निक प्राचार्य आशुतोष त्रिपाठी, प्राचार्या डॉ. सरिता मिश्रा ने बच्चों के कार्यक्रम की अच्छी प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजिका हुमा अफरोज एवं डॉ. अनुराधा शुक्ला द्वारा की गई । महाविद्यालय के अन्य शिक्षक विमल सिंह यादव, राजा कौशल, सुनील आनन्द, उर्वशी श्रीवास्तव, माला खत्री, डॉ. पूर्णिमा तिवारी, डॉ. विभा तिवारी, श्याम भरत पाठक, कार्तिकेय श्रीवास्तव आदि प्रवक्ता उपस्थित रहे।

अपराजिता ने पाँच महीनों में रुकवाया 175 बाल विवाह :कविता

-कहा-विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों, मौलवियों सहित हलवाइयों व बैंडबाजा वालों का भी मिल रहा सहयोग

अयोध्या(एजेंसी)। जिले में पिछले पाँच महीनों में 175 बाल विवाह को अपराजिता सामाजिक समिति ने ने रुकवाया है। उक्त जानकारी समिति की डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर कविता ने प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि इस अभियान से बाल विवाह के उन्मूलन की लड़ाई को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों और मौलवियों सहित धार्मिक नेताओं, हलवाइयों, बैंड बाजा वालों और अन्य सभी हितधारकों ने इस अभियान का समर्थन किया है। अपराजिता सामाजिक समिति बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे 250 से अधिक गैर–सरकारी संगठनों के गठबंधन 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' का सहयोगी संगठन है। अपराजिता ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा–बुझा कर अकेले 2023–24 में ही जिले में 175 बाल विवाह रुकवाए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा शुरू किए गए 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान का पुरजोर समर्थन करते हुए गैरसरकारी संगठन अपराजिता सामाजिक समिति के निदेशक किरन बैस ने कहा, "यह अभियान हमारे विकसित भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। देश की बच्चियों को शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाए बिना हम इस सपने को पूरा नहीं कर सकते और बाल विवाह इसमें सबसे बड़ी बाधा है। बाल विवाह की रोकथाम के लिए सभी पक्षों को साथ लेकर चलने और बचाव–संरक्षण एवं अभियोजन नीति पर अमल के मंत्रालय के इस फैसले का हम स्वागत करते हैं। 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' का सहयोगी संगठन होने के नाते हम पहले से ही इस रणनीति पर काम करते आ रहे हैं। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हमने इस जिले में जो अभियान शुरू किया था, वह अब राष्ट्रव्यापी अभियान बन गया है। इस मौके पर मौजूद एक बाल विवाह पीड़िता रेशू यादव ने इस अपराध के खात्मे के लिए सरकार के संकल्प पर संतोष जताते हुए इस मौके पर कहा, उनकी मा का विवाह बचपन मे ही हो गया था और कुछ व्यक्त बाद उनके पिता ने उनकी माता को छोड़ दिया और तब तक रेशू का जन्म हो चुका था रेशू की मा की शादी जबरन कहीं और करवा दी गई रेशू का पालन पोषण उनके मामा ने किया थोड़ा बड़ा हो जाने के बाद रेशू का भार उतारने के लिए उसके मामा ने उसकी शादी तय कर दी किन्तु तभी उनकी मुलाकात कविता से हुई जो अपराजिता सामाजिक समिति मे डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डनैटर हैं कविता ने उनके मामा जल्दी शादी कर रहे थे कविता ने उनको समझा बुझा कर शादी रुकवा कर उसको एक नया जीवन दिया आज मै अच्छे से पढ़ाई कर रही हूँ और आगे चल कर एक बड़ी अधिकारी बनना चाहती हूँ । बाल विवाह के खिलाफ यह सामूहिक लामबंदी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बाल विवाह मुक्त भारत' के आह्वान के समर्थन में हुई जिसकी शुरुआत 27 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने की थी।

जनपद स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन कल

अयोध्या।(एजेंसी) जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ऋषि पाल सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष–2024–25 में महानिदेशक एवं मुख्य विकास अधिकारी अयोध्या के निर्देश पर युवा कल्याण विभाग एवं नेहरू युवा केन्द्र द्वारा 30 नवम्बर 2024 को डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के सन्तकबीर प्रेक्षागृह में प्रधानमंत्री के पंच प्राण आधारित जनपद स्तरीय (युवा उत्सव) कार्यक्रम एवं विज्ञान मेले का आयोजन प्रातः 9.00 बजे किया जायेगा। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम अंतर्गत लोक नृत्य, समूह लोकगीत. एकल लोक नृत्य एवं एकल लोकगीत तथा जीवन कौशल के अंतर्गत कविता कहानी लेखन चित्रकारी एवं भाषण विधाओं में इच्छुक कलाकार जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच है प्रतिभाग कर सकते है। युवा उत्सव के अवसर पर कृषि राष्ट्रीय आजीविका मिशन एक जनपद एक उत्पाद खादी ग्रामोद्योग चिकित्सा पंचायती राज खेलकूद बेसिक शिक्षा नेहरू युवा केन्द्र माध्यमिक शिक्षा आई०टी०आई० राष्ट्रीय सेवा योजना समाज कल्याण व प्रोबेशन इत्यादि विभाग द्वारा आयोजन में सहयोग प्रदान किया जायेगा तथा विभागीय स्टाल लगाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी प्रदान की जायेगी। युवा उत्सव के उपलक्ष्य में एक श्रेणी की पेटिंग कविता मोबाइल फोटोग्राफी में प्रथम 02 स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः रूपये–5000, 2500 व 1500 सामूहिक श्रेणी अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा साइंस मेले में प्रथम 03 स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 7000, 5000 व 3000 तथा साइंस मेले के एक श्रेणी में प्रथम 03 स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमश 3000 2000 व 1500 का नकद पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। जब कि समूह व एकल श्रेणी के लोकगीत व एकल श्रेणी के लोक नृत्य तथा युवा कृति (हैंडी काफट टेक्सटाइल्स एवं एग्रो प्रोडक्ट प्रदर्शनी) में विभागीय निर्देशों के अनुरूप निर्णय लिया जायेगा। जिसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक तथा वैक्षणिक संस्थाओंएवं विद्यालयों से पत्राचार किया गया है। युवा उत्सव में प्रतिभाग करने हेतु इच्छुक प्रतिभागी विकास भवन स्थित युवा कल्याण विभाग के कार्यालय से सम्पर्क कर दिनांक 29 नवम्बर 2024 तक पंजीकरण करा सकते है। जनपद स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम (युवा उत्सव) एवं विज्ञान मेले के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए मो0न0 7007526870 9598881082 पर सम्पर्क कर सकते है।

चला अभियान ईंट भट्ठा मालिको में मचा हड़कंप

मीरजापुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में एक अभियान ने ईंट भट्ठा मालिकों में हड़कंप मचा दिया, आलम यह रहा कि सभी भागते फिरते हुए नजर आए है दरअसल, मामला यह रहा कि लंबे समय से मिर्जापुर जिले के सदर तहसील क्षेत्र में ईंट भट्ठा मालिकों पर राजस्व बकाया चला आ रहा था. बार–बार अवगत कराएं जाने के बाद भी कोई टस से मस नहीं हो रहा था सो, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के आदेशानुसार एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल के निर्देश पर तहसील सदर के सभी ईंट भट्ठा पर बकाया वसूली हेतु छापेमारी की गई. इससे पूरे दिन क्षेत्र के ईंट भट्ठों पर हड़कंप मचा रहा है.

बताते चलें कि सदर तहसील के 97 से अधिक ईंट भट्ठा पर उपजिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र के नेतृत्व में नायब तहसीलदार सदर सुरेंद्र प्रताप सिंह एवं 2 दर्जन अमीनों (राजस्व टीम) की टीम छापेमारी कर रहीं हैं जिलाधिकारी मिर्जापुर के निर्देश पर 24 घंटे में बकाया धनराशि जमा करने के निर्देश सख्त निर्देश दिए गए हैं तहसीलदार सदर ने बताया है कि क्षेत्र के 97 ईंट भट्ठा मालिकों पर 51 लाख से अधिक का बकाया चला आ रहा है, जिसके लिए उन्हें कई बार अवगत भी कराया जा चुका है बावजूद इसके कोई प्रतिक्रिया न होने से यह कदम उठाया जा रहा है. उन्होंने बताया है कि जमा नहीं करने पर ईंट भट्ठा सील कर दिया जाएगा. वहीं उपजिलाधिकारी सदर गुलाब चन्द्र ने बताया कि तमाम दिशा निर्देश और सहुलियत दिए जाने के बाद भी विवश हो सख्त कदम उठाने पड़े हैं

जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर उन्हें राहत पहुंचाना ही शासन की प्राथमिकता है : एसडीएम

लालगंज, मीरजापुर (एजेंसी)। एसडीएम आशाराम वर्मा ने कहा कि शासन की योजनाओं का पात्र गरीबों को लाभ दिलाना एवं जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर उन्हें राहत पहुंचाना ही शासन की प्राथमिकता है। क्षेत्र के गड़बड़ गांव में स्थित भगवान सिंह महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को आयोजित परोपकारी जन जागरुकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए एसडीएम ने कहा कि गांव में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले पात्र व्यक्तियों के लिए संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर वंचित व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए सभी को जागरूक होने की जरूरत है। एसडीएम श्री वर्मा ने कहा कि ग्राम प्रधान पात्र व्यक्तियों का चयन कर उन्हें शासन से मिलने वाले योजनाओं का लाभ अवश्य दिलाएं। बताया कि वृद्धावस्था पेंशन विधवा पेंशन आयुष्मान योजना उज्ज्वला योजना मुफ्त राशन आदि जनकल्याणकारी योजनाएं केंद्र और प्रदेश द्वारा संचालित है।सभी योजनाओं के लाभ के लिए लोगों को जागरूक होना होगा। तभी शासन के उद्देश्य की पूर्ति होगी।

प्रो. मिर्जा शहाब शाह इंडियन एकाउंटिंग एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य निर्वाचित

अयोध्या(एजेंसी)। का.सु. साकेत महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. मिर्जा शहाब शाह कोलकाता मे हुए चुनाव में इंडियन एकाउंटिंग एसोसिएशन के केंद्रीय क्षेत्र से कार्यकारी सदस्य निर्वाचित हुए हैं। यह चुनाव इंडियन एकाउंटिंग एसोसिएशन की कोलकाता शाखा द्वारा आयोजित 46वी ऑल इंडिया एकाउंटिंग कॉन्फ्रेंस एंड इंटरनेशनल सेमिनार में विगत 24 अक्टूबर को कोलकाता में संपन्न हुआ था। उल्लेखनीय है कि प्रो. शहाब इंडियन एकाउंटिंग एसोसिएशन के अवध चौप्टर के संस्थापक अध्यक्ष एवं वर्तमान समय में चौप्टर के चेयरमैन भी है। इसमें उत्तर प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयो एवं महाविद्यालयों के 147 वाणिज्य प्राध्यापक सदस्य हैं। डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय एव उससे संबद्ध समस्त महाविद्यालयों के वाणिज्य प्राध्यापकों में से प्रो शहाब ऐसे पहले प्राध्यापक है जो सर्वप्रथम इंडियन एकाउंटिंग एसोसिएशन के किसी पद पर चयनित हुए है। प्रो. शाह के निर्वाचित होने पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो दान पति तिवारी, मुख्य नियंता प्रो ए के मिश्र एवं प्रो बी के सिंह,वि वि शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्र. जन्मेजय तिवारी एव महामंत्री प्रोफेसरअमूल्य कुमार सिंह, प्रो अनुराग मिश्रा, छात्र कल्याण अधिकारी डॉ रवि कुमार चौरसिया एवं डॉ संतोष कुमार, प्रो अभिषेकदत्त त्रिपाठी,डा सदीप वर्मा, डा सूरज कुमार, प्रो आशुतोष त्रिपाठी, प्रो वंदना जायसवाल, डॉ पूनम जोशी,प्रो कविता सिंह, प्रो उपमा वर्मा, डॉ हरनाम सिंह लोधी, डॉ लवलेश मिश्रा, डॉ मुकेश पांडे, डॉ प्रभात श्रीवास्तव, डा रमेंद्र कुमार द्विवेदी, डॉ पीयूष कुमार, डॉ संदीप श्रीवास्तव एवं डॉ देवेंद्र श्रीवास्तव आदि प्राध्यापकों डा सद्दाम खान सहायक शोध अधिकारी अयोध्या शोध छात्र डा चाद बाबू ,डा नवीन कुमार, डा गगा प्रसाद मौर्य, डा शुभम सिह ,डा अकिता यादव, डा राम लखन सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रो शाह को बधाइयां दी है।

चोरों ने दो दुकानों का ताला तोड़, पुलिस की रात्रि गश्त को दी चुनौती,

मीरजापुर (एजेंसी)। ठंड प्रारंभ होने के साथ ही जिले में चोरी की घटनाओं में भी इजाफा होने लगें हैं बीती रात चोरों ने जनपद के अहरौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलिया चट्टी में दो दुकानों का ताला चटकाकर पुलिस की रात्रि गश्त प्रणाली को चुनौती दे दी है. एक ही रात दो दुकानों में चोरी की इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई है. लोगों को चोरों का खौफ सताने लगा है. इमलियां चट्टी पुलिस

चौकी अंतर्गत चोरों द्वारा दी गई दस्तक से लोग सवाल कर रहे हैं कि जब पुलिस चौकी के समीप वाले एरिया में चोरों की सक्रियता बनी हुई है तो भला सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति क्या हो सकती है. बताते चलें कि अहरौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत इमलियां चट्टी बाजार में अब्दुल कयूम की मेडिकल स्टोर की दुकान है, नित्य की भांति रात्रि में वह दुकान बंदकर अपने घर चलें गएं थे. सुबह उनकी नींद भी नहीं खुली थी कि दुकान में चोरी हो जाने की खबर मिलते ही उनके होश उड़ गए. बदहवास हालत में वह दुकान पहुंचे तो देखा दुकान का सटर आधा उठा हुआ था, ताला टूटा हुआ था. दुकान के अंदर का नजारा और भी दुखदाई रहा है. सारा सामान इधर–उधर बिखरा होने के साथ पेटी से तीन चार दिन का नगदी, शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ अन्य कई दस्तावेज भी नदारद रहे हैं समीप के ही पापुलर जनरल स्टोर के दुकान में भी चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए चोरों ने ताला चटकाकर नगदी सहित जनरल के सामानों पर हाथ फेर दिया था. दुकानदार प्रमोद कुमार के मुताबिक चोरों ने दुकान में रखे तकरीबन 12 हजार नगदी सहित कई कीमती जनरल स्टोर्स के सामानों को उठा ले गए हैं. आश्चर्य की बात है कि चोरी की दोनों घटनाएं इमलियां चट्टी पुलिस चौकी अंतर्गत हुई हैं. और तो और सुरक्षा की दृष्टि से हर गतिविधियों पर पैनी नजर गड़ाए रखने के लिए चौराहे पर लगाएं गए सीसीटीवी कैमरा निष्क्रिय बताएं जा रहें हैं. वहीं दूसरी ओर रात्रि गस्त के नाम पर पुलिस पर भी लोग निष्क्रिय बनें रहने का आरोप लगाते हैं. ग्रामीणों का कहना है कि ठंड के शुरुआत होते ही चोर इलाके में सक्रिय हुए हैं.चोरी की घटना की जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करने के साथ–साथ आस–पास में भी छानबीन किया है. अहरौरा थाना प्रभारी के मुताबिक चोरी होने की सूचना हुई है. मौके का छानबीन कर तहकीकात किया जा रहा है.

नवप्रवर्तन जन जागरूकता के अंतर्गत असंगठित क्षेत्र के नवपर्वतको की जनपदस्तरीय प्रदर्शनी 30 नवम्बर को होगी आयोजित

मीरजापुर (एजेंसी)। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा जिला अधिकारी महोदया की अध्यक्षता में संचालित जिला विज्ञान क्लब मिर्जापुर के तत्वाधान में 30 नवम्बर को जय हिन्दविद्या मंदिर इंटर कॉलेज अहरौरा में नवप्रवर्तन जन जागरूकता के अंतर्गत असंगठित क्षेत्र के नव प्रवर्तको की जनपद स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। इस आशय की सूचना देते हुए सुशील कुमार पाण्डेय समन्यवयक सुशील कुमार पाण्डेय ने बताया की असंगठित क्षेत्र के नव प्रवर्तको के अंतर्गत ग्रास रुट लेवल के वे जुगाडू लोग आते हैं जिन्होंने अपनी समस्याओ के हल के लिए समाधान ढूढ लिया है।इनका यह जुगाड़ समाज के लिए उपयोगी साबित होता है।ऐसे स्थानीय नव प्रवर्तको की खोज जिलाविज्ञान क्लब लगातार कर उन्हे परिषद के माध्यम से पटेंट दिलाने एवं पुरस्कृत कराने का कार्य कर रहा है एवं उनके जुगाड़ को मूर्त रूप दे रहा है। इस वर्ग मे किसान, मजदूर, शिल्प कार, मैकेनिक,आदि आते है। ऐसे जुगाडू वैज्ञानिको के पास कोई डिग्री भी नही होती। इस प्रदर्शनी मे अधिक अधिक प्रतिभागिता हेतु जिलाधिकारी की ओर से 6 विभागों को पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है कि अपने अपने विभागों से नव प्रवर्तको की पहचान कर उन्हे प्रतिभाग कराये। इस प्रदर्शनी मे स्कूली बच्चों को भी प्रदर्शनी देखने हेतु बुलाया गया है जिससे वे इसे देखकर उनमे भी नवप्रवर्तन की अभिरुचि विकसित हो।इसमे चार वैज्ञानिको द्वारा नवप्रवर्तन पर व्याख्यान दिया जायेगा।उत्कृष्ट नवप्रवर्तन के लिए पुरस्कार भी प्रदान किये जाएगे।प्रथम पुरस्कार स्वरूप 8000, द्वितीय 5000 तृतीय 3000 एवं शेष 5 को 2000 रुपये की नकद धनराशि प्रदान की जाएगी। एक नवप्रवर्तन को पटेंट भी कराया जायेगा।

29 नवम्बर को होगा कामन प्लेटफार्म पर आयोजित एक दिवसीय जनपद स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

मीरजापुर (एजेंसी)। दिनेश कुमार जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी, ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया है कि युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग एवं नेहरू युवा केन्द्र संगठन व राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कॉमन प्लेटफार्म पर आयोजित एक दिवसीय जनपद स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 29 नवंबर 2024 को स्थान–राजकीय इण्टर कालेज, महुअरिया, मीरजापुर में होना निश्चित हुआ है, जिसमें जनपद के ग्रामीण क्षेत्र व विद्यालयों के कलाकार प्रतिभाग करेगें। उक्त प्रतियोगिता में सांस्कृतिक अवयव के अन्तर्गत लोकगीत, लोकनृत्य (एकल एवं सामूहिक) तथा जीवन कौशल अवयव के अन्तर्गत कविता, कहानी लेखन, चित्रकारी, भाषण प्रतियोगिता तथा थीमेटिक अवयव के अन्तर्गत साइन्स मेला (एकल व समूह) व युवा कृति हैण्डीकाफ्ट, टैक्सटाइल, यूपी. एग्रो से सम्बन्धित प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया है।

जीवाश्म ईंधन का आयात घटाए बिना प्रदूषण की समस्या को हल नहीं किया जा सकता : Gadkari

नितिन गडकरी ने कहा कि जीवाश्म ईंधन के आयात में कटौती किए बिना भारत प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं कर सकता। टाइम्स ड्राइव ग्रीन कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2024 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि आज जैव ईंधन अर्थव्यवस्था बहुत महत्वपूर्ण है और भारत में यह अच्छी स्थिति में है।

नयी दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जीवाश्म ईंधन के आयात में कटौती किए बिना भारत प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं कर सकता। टाइम्स ड्राइव ग्रीन कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स 2024 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि आज जैव ईंधन अर्थव्यवस्था बहुत महत्वपूर्ण है और भारत में यह अच्छी स्थिति में है। उन्होंने कहा कि देश में 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण परिवहन क्षेत्र के कारण होता है।गडकरी ने कहा, "भारत में प्रदूषण एक बड़ी चिंता का विषय है. जीवाश्म ईंधन के आयात में कमी किए बिना हम देश में प्रदूषण को कम नहीं कर सकते। परिवहन क्षेत्र में हमें जीवाश्म ईंधन का विकल्प तलाशने की जरूरत है... हमें सतत विकास मॉडल विकसित करने की जरूरत है।" सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने यह भी कहा कि भारत गेहूं चावल और चीनी के अधिशेष उत्पादन के कारण कृषि क्षेत्र में समस्याओं का सामना कर रहा है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि सरकार ने कृषि के ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण लाने का निर्णय लिया है।आज पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में 400 परियोजनाएं हैं जहां वे चावल के भूसे से बायो–सीएनजी बना रहे हैं। मंत्री ने कहा कि ज्यादातर मामलों में पंजाब और हरियाणा में चावल भूसी को जलाने की वजह से दिल्ली को प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। गडकरी ने बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मिशन भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। गडकरी ने कहा कि उनका सपना भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में नंबर एक बनाना है।

जोमैटो ने पात्र संस्थागत नियोजन के जरिए 8,500 करोड़ रुपये जुटाए

zomato

जोमैटो ने शेयर बाजार को बताया कि उसके बोर्ड की पूंजी जुटाने वाली समिति ने पात्र संस्थागत खरीदारों को 252.62 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 33.65 करोड़ शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी है।ऑनलाइन ऑर्डर लेकर खाना पहुंचाने की सेवा देने वाली कंपनी जोमैटो ने शुक्रवार को कहा कि उसने अपने वृद्धि उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पात्र संस्थागत निवेशकों को इक्विटी शेयर बेचकर 8,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं।जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इससे पहले बताया था कि पूंजी जुटाने की प्रस्तावित योजना का मकसद कंपनी के बहीखाते को मजबूत करना है। कंपनी का पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) निर्गम 25 नवंबर को खुला था और बृहस्पतिवार को बंद हुआ।

जोमैटो ने शेयर बाजार को बताया कि उसके बोर्ड की पूंजी जुटाने वाली समिति ने पात्र संस्थागत खरीदारों को 252.62 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 33.65 करोड़ शेयर आवंटित करने को मंजूरी दी है। ये शेयर निवेशकों को निचले मूल्य से पांच प्रतिशत छूट के साथ जारी किये। इस तरह कुल 8,500 करोड़ रुपये जुटाये गए।

गोदरेज प्रापर्टीज क्यूआईपी के जरिये 6,000 करोड़ रुपये की संपूर्ण राशि जुटा लेगी

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि क्यूआईपी आवंटन समिति ने 27 नवंबर 2024 को इसके लिए मंजूरी दी। इसके लिए 2,727.44 रुपये प्रति शेयर की आधार कीमत तय की गई है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज क्यूआईपी के जरिये संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 6,000 करोड़ रुपये की संपूर्ण राशि जुटा लेगी। कंपनी का इरादा आवासीय भूखंडों तथा अपार्टमेंट की मजबूत मांग के बीच कारोबार का विस्तार करना है।गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 6,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बुधवार को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) पेश किया। यह बृहस्पतिवार को बंद होगा। बाजार सूत्रों ने बताया कि गोदरेज प्रॉपर्टीज को घरेलू तथा वैश्विक निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली है और कंपनी 6,000 करोड़ रुपये की संपूर्ण राशि जुटा लेगी।गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि क्यूआईपी आवंटन समिति ने 27 नवंबर 2024 को इसके लिए मंजूरी दी। इसके लिए 2,727.44 रुपये प्रति शेयर की आधार कीमत तय की गई है।गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में शामिल है। इसकी दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे और बेंगलुरु में मजबूत उपस्थिति है और इसने हाल ही में हैदराबाद बाजार में प्रवेश किया है।

पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन का बेहतरीन प्रदर्शन, क्वार्टर फाइनल के लिए किया क्वालिफाई

पीवी सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट के महिला सिंग्लस में अपनी हमवतन ईरा शर्मा को तीन गेम में हराकर क्वार्टरफाइनल में एंट्री कर ली है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को 147वें नंबर की खिलाड़ी ईरा के खिलाप दूसरे कौर के मुकाबले में 21–10, 12–21, 21–15 से जीत दर्ज करने के दौरान 49 मिनट तक जूझना पड़ा।स्टार शटलर पीवी सिंधू ने सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट के महिला सिंग्लस में अपनी हमवतन ईरा शर्मा को तीन गेम में हराकर क्वार्टरफाइनल में एंट्री कर ली है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और दुनिया की 18वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू को 147वें नंबर की खिलाड़ी ईरा के खिलाप दूसरे कौर के मुकाबले में 21–10, 12–21, 21–15 से जीत दर्ज करने के दौरान 49 मिनट तक जूझना पड़ा।सिंधू पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रही हैं और उन्होंने पिछला खिताब 2022 में सिंगापुर ओपन में जीता था। ये 29 वर्षीय भारतीय अगले दौर में चीन की दुनिया की 118वें नंबर की खिलाड़ी डाइ वैंग से भिड़ेंगी। वैंग ने दूसरे दौर में भारत की देविका सिहाग को 19–21 21–18 21–11 से हराया। शीर्ष वरीय लक्ष्य सेन ने हालांकि, पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में इजराइल के दानिल डुबोवेंको के खिलाफ सीधे गेम में 35 मिनट में 21–14 21–13 की जीत के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई। लक्ष् क्वार्टर फाइनल में मेहराबा लुवांग के खिलाफ खेलेंगे जिन्होंने आयरलैंड के छठे वरीय एनहाट एनगुएन को 21–15 21–13 से हराया। पुरुष एकल के अन्य मुकाबलों में भारत के आयुष शेट्टी ने मलेशिया के होह जस्टिन को 21–12 21–19 से हराया जबकि तीसरे वरीय किरण जॉर्ज को जापान के शोगो ओगावा के खिलाफ 21–19 20–22 11–21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। भारत के दूसरे वरीय प्रियांशु राजावत ने भई वियतनाम के ली डुक फाट को 2115 21–8 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

डी गुकेश का बेहतरीन प्रदर्शन, लिरेन को मात देकर जीती तीसरी बाजी

डी गुकेश विश्व शतरंज चौम्पियनशिप में एक दिन के विश्राम के बाद शुक्रवार को चौथी बाजी के लिए जब चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे तो 14 बाजियों वाले इस मुकाबले की तीसरी बाजी में मिली जीत से उनका मनोबल बड़ा हुआ होगा। भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश विश्व शतरंज चौम्पियनशिप में एक दिन के विश्राम के बाद शुक्रवार को चौथी बाजी के लिए जब चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे तो 14 बाजियों वाले इस मुकाबले की तीसरी बाजी में मिली जीत से उनका मनोबल बड़ा हुआ होगा।18 वर्षीय गुकेश ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस चौम्पियनशिप की अपनी पहली जीत दर्ज की। क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चौम्पियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं। इससे पहले गुकेश को शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। तीन बाजियों के बाद दोनों दोनों खिलाड़ियों के अब एक समान डेढ–डेढ अंक हैं। पहली बाजी में शिकस्त का सामना करने वाले गुकेश ने स्पष्ट रूप से अपने खेल के स्तर को ऊंचा किया और बेहतर तैयारी दिखाई है। लिरेन को तीसरी बाजी में चालों की गणना करने में गलती का खामियाजा उठाना पड़ा। उन्होंने इस दौरान बहुत अधिक समय लिये जिससे उनके लिए चीजें जटिल होती चली गयी। तेरहवीं चाल तक गुकेश के पास एक घंटे की बढ़त थी और उन्होंने सिर्फ चार मिनट खर्च किये थे। लिरेन ने दूसरी तरफ एक घंटा और छह मिनट लगा दिये थे। खेल के पहले 120 मिनट में से 40 चालों तक समय में कोई इजाफा नहीं किया जाता। बीच में मुकाबला जटिल होने से लिरेन पर असर पड़ा और गुकेश ने सटीक चालों से उन पर दबाव बढा दिया।गुकेश ने वही रणनीति अपनाई जो पूर्व विश्व चौम्पियन रूस के व्लादिमीर क्रामनिक ने एक रैपिड मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगेसी के खिलाफ अपनाई थी। एरिगेसी ने हार से बाल बाल बचते हुए वह मुकाबला ड्रॉ कराया था जबकि गुकेश ने लिरेन की सहज गलतियों का फायदा उठाकर जीत दर्ज की। लिरेन के पास आखिरी नौ चाल के लिये सिर्फ दो मिनट और आखिरी छह चाल के लिये सिर्फ दस सेकंड बचे थे।आखिर में उनके पास समय ही बाकी नहीं रह गया। सफेद मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज करने के बाद गुकेश ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा ," बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले दो दिन मैं अपने खेल से खुश था। आज मैने और अच्छा खेला। बोर्ड पर अच्छा लग रहा था और मैं अपने प्रतिद्वंद्वी को हराने में कामयाब रहा।"इससे पहले शुरुआती मुकाबले में गुकेश को बाजी के बीच में गैर जरूरी ढंग से जटिल बनाना भारी पड़ा जिससे चीन के मौजूदा चौम्पियन को जीत से आगाज करने का मौका दिया। गुकेश ने दूसरी बाजी में अच्छी वापसी करते हुए लिरेन को बराबरी पर रोका। यह मुकाबला केवल 23 चालों तक चला।18 वर्षीय गुकेश विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के दावेदार हैं और वह विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनने की कोशिश कर रहे हैं। आनंद ने अपने शानदार करियर में पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है। इस बात की संभावना अधिक है कि स्कोर बराबर होने के लिरेन आक्रामक की जगह अधिक सतर्क रवैया अपनाएं और तीसरी बाजी में की गयी गलतियों से सबक लेंगे।आत्मविश्वास से लबरेज गुकेश का ध्यान अपनी मानसिक बढ़त को बनाये रखने के साथ चीन के खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं देने पर होगी। चेन्नई का यह खिलाड़ी सफेद मोहरों से बेहतर खेल दिखाता है और वह अगर इसे जारी रखने में सफल हुए तो लिरेन दबाव में आ जायेंगे। लिरेन ने पिछला विश्व चौंपियनशिप खिताब रूस के इयान नेपोमनियाचची के खिलाफ तीन बार पिछड़ने के बाद जीता था। उन्होंने तब मुकाबले के आखिरी चरण में बढ़त बनायी थी और अंतिम दिन टाईब्रेकर ने खिताब के विजेता का फैसला किया था। लिरेन की वापसी करने की क्षमता को देखते हुए उन्हें कम नहीं आंका जा सकता है।इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने बुधवार की हार के बाद स्पष्ट रूप से कहा, "... इस मुकाबले का परिणाम शायद आराम के दिन मेरी भावनाओं को प्रभावित करेगा।" अब यह देखना होगा कि वह किस तरह से वापसी करते है। गुकेश की जीत के बाद मैच दिलचस्प रूप से आगे बढ़ा है और शतरंज के शौकीनों ने शुरुआती तीन बाजियों में इससे अधिक रोमांच की उम्मीद नहीं होगी।

भारतीय हाकी टीम के खिलाड़ी अभिषेक का बयान, पढ़ाई से बचने के लिए उठाई हाकी लेकिन...

भारतीय हॉकी खिलाड़ी अभिषेक ने पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी खेलना शुरू किया था। लेकिन उन्हें इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ क्योंकि इस खेल ने उन्हें पहचान, 'स्टारडम' और वह सब कुछ दिया जो वह जिंदगी में पाना चाहते थे। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता फारवर्ड अभिषेक ने पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी खेलना शुरू किया था लेकिन उन्हें इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ क्योंकि इस खेल ने उन्हें पहचान, 'स्टारडम' और वह सब कुछ दिया जो वह जिंदगी में पाना चाहते थे।अभिषेक ने हालांकि पत्राचार के माध्यम से अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने में कामयाबी हासिल की, लेकिन इस खिलाड़ी को पता था कि हमेशा से पता था कि खेल से उन्हें बेहतर उद्देश्य मिलेगा।पेरिस ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक जीतने के अभियान में अहम योगदान निभाने वाले अभिषेक ने 'पीटीआई–भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, "मैंने 11 या 12 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था।सोनीपत में इसके अलावा मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था।"उन्होंने कहा, " मेरा एक दोस्त हॉकी खेलने के लिए काफी यात्रा करता था। मुझमें कमी पढ़ाई करने का धैर्य नहीं था और जब मैंने देखा कि मेरे दोस्त को हॉकी में व्यस्त होने के कारण स्कूल कम आना होता है, तो मैंने सोचा कि अगर मैं भी हॉकी खेलना शुरू कर दूं तो मैं भी ऐसा ही कर सकता हूं।"हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के इस सदस्य ने कहा कि वह पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनके काम करने के तरीके के बड़े प्रशंसक है। उन्होंने कहा, "मैं रोनाल्डो का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उनके मैदान के बाहर की दिनचर्या, उनका अनुशासन, खान–पान की आदतें .. मैं उनके वीडियो देखता हूं और उन्हें (आदतों को) अपनी दिनचर्या में शामिल करने की कोशिश करता हूं।"अभिषेक ने कहा कि उनका लक्ष्य हॉकी स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा,"मेरा लक्ष्य भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग को पुनर्जीवित करना है। हमने ओलंपिक में पदक जीतने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन स्वर्ण युग अभी हासिल नहीं हुआ है। यही मेरा लक्ष्य है।" अभिषेक फिर से शुरू हो रही हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह (78 लाख रुपये) के बाद दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा था। यह उनका पहला एचआईएल अनुभव होगा और उम्मीद है कि वह इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं।उन्होंने कहा, "यह अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग अनुभव होगा। एचआईएल भारतीय हॉकी के लिए भी एक बड़ी बात होने जा रही है क्योंकि हमें लीग में बहुत सारे खिलाड़ियों से मिलने का मौका मिलेगा। आईपीएल ने रास्ता दिखाया है क्योंकि वह भारतीय क्रिकेट के लिए नये खिलाड़ियों को तैयार कर रहा है। एचआईएल भी राष्ट्रीय टीम की मदद करेगा। "उन्होंने कहा, "इससे बहुत फर्क पड़ेगा। हमारी एचआईएल टीम में बेल्जियम और जर्मनी के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी है। एचआईएल के दौरान उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और खेल से जुड़ी जानकारी प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। हम उनसे छोटी–छोटी बातें सीखेंगे।"अभिषेक लीग के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी है लेकिन उन्होंने कहा कि वह दबाव लेने की जगह इसका लुत्फ उठायेंगे। उन्होंने कहा, "जिम्मेदारी तो होगी (लेकिन) मैं कोई दबाव नहीं लेना चाहता। मैं अपना खेल खेलूंगा। अगर मैं दबाव लूंगा तो अपना शत प्रतिशत नहीं दे पाऊंगा। मैं बस अपने खेल का लुत्फ उठाने की कोशिश करूंगा।

NADA के प्रतिबंध लगाने पर बोले बजरंग पूनिया, कहा- अगर बीजेपी में शामिल होता हूं तो यह हटा दिया जाएगा

बजरंग ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान नमूना देने से इनकार करके नियमों का उल्लंघन किया। डोपिंग रोधी संस्था ने सबसे पहले तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान को 23 अप्रैल को इस उल्लघंन के लिए निलंबित किया था।डोप जांच के लिए नमूना देने से इनकार करने के कारण चार साल के लिए निलंबित ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया ने बुधवार को कहा कि यह सरकार का प्रतिशोधात्मक कदम है और वह भाजपा में शामिल हो जाते हैं तो यह प्रतिबंध हटा दिया जाएगा।नाडा ने कहा कि बजरंग ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान नमूना देने से इनकार करके नियमों का उल्लंघन किया। डोपिंग रोधी संस्था ने सबसे पहले तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान को 23 अप्रैल को इस उल्लघंन के लिए निलंबित किया था। जिसके बाद खेल की विश्व संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था।बजरंग ने पत्रकारों से कहा, ''यह चौंकाने वाला नहीं है क्योंकि ट्रायल का यह मामला पिछले एक साल से चल रहा है। मैंने पहले भी कहा है कि मैंने नाडा को नमूना देने से इनकार नहीं किया है। जब वे डोप जांच के लिए मेरे घर आए थे तो वे एक 'एक्सपायरी किट' (दिसंबर 2023 में) लेकर आए थे। मैंने इसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया है। ''पूनिया और उनकी साथी पहलवान ओलंपियन विनेश फोगाट इस साल के शुरु में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। बजरंग ने अपने बचाव में कहा, ''आप किसी भी खिलाड़ी को 'एक्सपायरी किट' नहीं दे सकते। जहां तक घ्घ्मेरा सवाल है तो मेरी टीम वहां थी इसलिए उन्होंने यह देख लिया। वे 2020, 2021, 2022 की 'एक्सपायरी किट' लेकर आए थे। ''उन्होंने कहा, ''मैंने मूत्र का नमूना दिया था लेकिन फिर मेरी टीम ने किट की जांच की और पाया कि यह 'एक्सपायर' (तारीख खत्म होना) हो चुकी थी। इसलिए हमने किट का वीडियो बनाया और हमने नाडा को मेल किया। लेकिन उन्होंने अपनी गलती स्वीकार नहीं की।''

इस पहलवान ने आरोप लगाया कि सरकार भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चल रहे धरने में शामिल होने के लिए उनसे बदला लेना चाहती है। उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि महिला पहलवानों के समर्थन में हमारे विरोध प्रदर्शन के कारण वे बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि सभी एजेंसियां घ्घ्सरकार के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। 'पूनिया ने दावा किया, ''मैं पिछले 10–12 साल से प्रतिस्पर्धा कर रहा ह

एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रहा हूं, उम्मीद है कि मजबूत वापसी करूंगा : Gukesh

डी गुकेश ने कहा कि उनका ध्यान एक समय में एक बाजी पर केंद्रित है और उन्हें उम्मीद है कि वह शतरंज विश्व चौम्पियनशिप में जल्द ही मजबूत वापसी करेंगे। चेन्नई के इस 18 साल के खिलाड़ी का लक्ष्य डिंग लिरेन को पछाड़कर शतरंज में सबसे कम उम्र का विश्व चौंपियन बनना है।

सिंगापुर । भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कहा कि उनका ध्यान एक समय में एक बाजी पर केंद्रित है और उन्हें उम्मीद है कि वह शतरंज विश्व चौम्पियनशिप में जल्द ही मजबूत वापसी करेंगे। चेन्नई के इस 18 साल के खिलाड़ी का लक्ष्य डिंग लिरेन को पछाड़कर शतरंज में सबसे कम उम्र का विश्व चौंपियन बनना है। गुकेश ने मंगलवार को यहां काले मोहरों से खेलते हुए चीन के खिलाड़ी खिलाफ दूसरी बाजी ड्रा कराकर वापसी की। इससे पहले सोमवार को लिरेन ने सफेद मोहरों से खेल रहे भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा उठाकर शुरुआती मुकाबले को अपने नाम किया था।और जानें

गुकेश ने 14 बाजियों वाले इस मैच के दूसरे मुकाबले के बाद कहा, ''आज एक अच्छा दिन था और उम्मीद है कि हमारे पास और भी अच्छे दिन आएंगे।'' उन्होंने कहा, ''विश्व चौम्पियनशिप मैच में काले मोहरों के साथ ड्रा हमेशा अच्छा होता है। यह मैच अभी शुरुआती चरण में है और हमारे पास अभी काफी समय है।'' लिरेन ने पिछला विश्व चौंपियनशिप खिताब रूस के इयान नेपोमनियाचची के खिलाफ तीन बार पिछड़ने के बाद जीता था। ऐसे में गुकेश के पास भी वापसी का पूरा मौका है।गुकेश ने कहा, '' विश्व चौम्पियनशिप में खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी पर दबाव होना लाजमी है। यहां बहुत दबाव है। मैं हालांकि इसे एक चुनौती के तौर पर देख रहा हूं कि मैं इतने सारे लोगों और अपने देश का प्रतिनिधित्व कर सकता हूं।''

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 01 दिसंबर 2024
sheelshukla100@gmail.com

अज्ञात बाइक चालक पर गैरइरादतन हत्या का केस दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। दो बाइक की भिडंत में महिला की हुई मौत की घटना को लेकर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। रायबरेली जनपद के सलोन थानान्तर्गत सरायनाम बैरनपुर गांव निवासी राजेन्द्र मिश्र पुत्र स्व. महादेव मिश्र ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि अटठाईस नवंबर को दोपहर करीब तीन बजे उसकी पत्नी बावन वर्षीया राजेश्वरी देवी अपने पुत्र प्रदीप के साथ मान्धाता के कटरा गुलाब सिंह स्थित अपने मायके से घर आ रही थी। लालगंज कोतवाली के नयापुरवा के पास अज्ञात बाइक चालक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे पीडित की पत्नी व पुत्र दोनों घायल हो गये। ट्रामा सेण्टर में चिकित्सकों ने राजेश्वरी देवी को मृत घोषित कर दिया। कोतवाल नीरज यादव का कहना है कि तहरीर के आधार पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ गैरइरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

तीन वांछित को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

लालगंज, प्रतापगढ़। पुलिस ने मुकदमो में वांछित तीन आरोपियों को हिरासत मे लिया है। इनमें लालगंज पुलिस ने कोर्ट के फरमान पर दो वांछितों को जेल भेजा है। लालगंज कोतवाली के दरोगा सुमित वर्मा शुक्रवार सुबह फोर्स के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर दो वांछितों जनई निवासी प्रेम लाल पटेल व बैजनाथ पटेल को उनके घर से गिरफ्तार किया। दोनों वांछितों को जेल भेज दिया गया। वहीं सांगीपुर थाना के दरोगा सचिन कुमार ने मुखबिर की सूचना पर किशोरी के अपहरण के मुकदमें में आरोपित पहाड़पुर निवासी जितेन्द्र पुत्र मोती लाल को पहाड़पुर के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मैरेज हाल में लगी बैटरी खोल ले गये चोर

लालगंज, प्रतापगढ़। मैरेज हॉल में लगी बैटरी अज्ञात चोर खोल ले गये। पीड़ित ने शुक्रवार को चोरी की घटना की शिकायत पुलिस से की है। लीलापुर थानान्तर्गत हनुमत निकेतन मंदिर रघवापुर के बगल निर्माणाधीन मैरेज हाल का ताला तोडकर अज्ञात चोर उसमें रखी दो बैटरी उड़ा ले गये। सुबह चोरी की घटना की जानकारी होने पर पीड़ित धीरेन्द्र पाण्डेय ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। एसओ अरूण कुमार का कहना है कि घटना की जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

ज्योतिबा फुले का जीवन दर्शन सामाजिक समानता तथा सर्वसमाज के लिए कल्याणकारी- सांसद प्रतिनिधि

लालगंज, प्रतापगढ़। बीमार महिला को इलाज कराने के बहाने उसकी जमीन का बैनामा कराकर रूपये न देने के आरोप को लेकर पीड़िता ने शुक्रवार को सीओ से फरियाद की है। उदयपुर थाना के पूरे पुरंदर रेहुआ लालगंज निवासी रामराज की पत्नी चंद्रवती ने शुक्रवार को यहां सीओ को शिकायती पत्र देकर कहा है कि वह गंभीर बीमारी से पीड़ित है। तहरीर में कहा गया है कि बीती सोलह नवंबर को उसके तीन रिश्तेदारों ने उसे इलाज के बहाने लालगंज ले आये। यहां पीड़िता से उसकी जमीन का बैनामा करा लिया। आरोपियों ने बैनामे के समय अधिकारियों के द्वारा पूछताछ के दौरान उसे आठ लाख रूपये का चेक हाथ में थमाया और बाद में उसे भी लेकर रख लिया। पीड़िता ने थाने पर शिकायत की तो आरोपियों ने इलाज कराने में पैसा खर्च करने का भरोसा दिलाया। इसके बाद आरोपी पीड़िता को शिकायत करने पर धमकाने लगे। तहरीर में आरोप है कि उदयपुर पुलिस मामले में हीलाहवाली कर रही है। सीओ रामसूरत सोनकर ने उदयपुर एसओ को फटकार लगाते हुए शिकायत के निस्तारण के कड़े निर्देश दिये हैं।

प्रियंका गांधी के सांसद बनने पर मगन कांग्रेसीगढ़ रामपुरखास, प्रमोद तिवारी व विधायक मोना ने सौंपी शुभकामनाएं

लालगंज, प्रतापगढ़। प्रियंका गांधी के सांसद के रूप में शपथ ग्रहण को लेकर शुक्रवार को कांग्रेसीगढ़ रामपुर खास में उत्साह का माहौल दिखा। वहीं राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता एवं क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने नई दिल्ली में प्रियंका गांधी से मुलाकात कर उन्हें कार्यकर्ताओं की ओर से शुभकामनाएं सौंपी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी के सांसद निर्वाचित होने पर यहां राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी तथा विधायक आराधना मिश्रा मोना के समर्थक खासे गदगद दिखे। गौरतलब है कि बीते विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी ने रामपुर खास के लालगंज में लगातार कांग्रेस से तीसरी बार निर्वाचित विधायक आराधना मिश्रा मोना के समर्थन में बडी जनसभा की थी। वही विधायक मोना तथा प्रमोद तिवारी का भी गांधी परिवार के साथ करीबी रिश्ता आंका जाता है। प्रियंका गांधी के सांसद के शपथ ग्रहण को लेकर यहां कार्यकर्ताओं ने विधायक मोना के कैम्प कार्यालय पर एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी का इजहार किया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, केडी मिश्र, ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, लालजी यादव, दृगपाल यादव, रघुनाथ सरोज, लल्लन सिंह, रिंकू सिंह परिहार आदि रहे।

धोखाधड़ी कर भतीजे ने बुआ की जमीन का करवा लिया बैनामा

सुलतानपुर(एजेंसी)। बल्दीराय तहसील के उपनिबंधक कार्यालय में अजीबो गरीब खेल खेला जा रहा है लेकिन यहां जिम्मेदार मूक दर्शक बने हुए है ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया है। मामला बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पूरे कांसीराम मजरे डोभियारा का है गांव की निवासिनी गुलाबपती बेवा राधेश्याम ने पुलिस अधीक्षक जिलाधिकारी समेत मुख्यमंत्री को आनलाईन प्रार्थना पत्र के जरिये आरोप लगाया है कि गांव में उसकी जमीन गाटा संख्या 614 स्थित है जिसमें उसका 1ध्3 भाग की सह खातेदार है। 74 वर्षीय बृद्धा गुलाबपती ने बताया कि उसके सगे भतीजे वृजभूषण पांडे जो दिखोली सुलतानपुर के मूल निवासी है और वृदावन में रहकर कथावाचक का कार्य करते है। आरोप है कि धोखाधड़ी करके भतीजे ने अपनी बुआ गुलाबपती को कुछ नशीला पदार्थ खिलाकर दिनांक 24 अक्टूबर को उपनिबंधक कार्यालय बल्दीराय ले जाकर अपने रिस्तेदार लेखक के जरिए जमीन का बिना प्रतिफल दिए ही अपनी पत्नी सीता पांडे के नाम बैनामा करवा लिया। जब बृद्धा को होस आया तो सारे मामले की पोल खुल गई। वृद्धा गुलाब पती ने पहले इसकी सूचना थाना बल्दीराय में देकर कार्यवाही की मांग की लेकिन वहां पुलिस ने उसका प्रार्थना नही लिया फिर उसने जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक व मुख्यमंत्री से जरिए आनलाईन प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार की वृद्धा गुलाबपती ने बताया कि वह वृद्ध होने के कारण चलफिर नही सकती। इधर जब रजिस्ट्रार मीना झा से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया जो भी बैनामा होता है क्रेता व विक्रेता की रजामंदी से होता है

प्रियंका गांधी की संसद में आवाज जनता से जुड़े मुददो पर संसदीय प्रतिभा की सशक्तउपलब्धि- प्रमोद तिवारी

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार पर राष्ट्रीय सुरक्षा तथा अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में बडी विफलताओं को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रशान्त बिहार में घटित आतंकी घटना ने देश में कानून और व्यवस्था के लगातार बिगड़ते हालात को भयावह बना गया है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि दिल्ली में पुलिस की अपराध शाखा से महज तीन सौ मीटर दूर व्यस्ततम इलाके में हुआ यह विस्फोट केन्द्रीय गृह मंत्रालय की सीधी असफलता है। उन्होनें कहा कि यह अत्यन्त चिंताजनक है कि रोहिणी विस्फोट के चालीस दिनों के भीतर ही प्रशांत बिहार में विस्फोट की दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि मणिपुर में दस माह के मासूम बच्चे की आंख निकालकर गोली मारकर हत्या हो या फिर जम्मू में अब घाटी में भी फैला आतंकवाद राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में देश को चिंतित किये हुए है। उन्होनें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आरोपों के घेरे में रखते हुए कहा कि यदि वह देश की कानून व्यवस्था को जबाबदेह ढंग से नही संभाल पा रहे है तो उन्हें संवेदनशील जिम्मेदारी के निर्वहन में अपनी विफलता स्वीकार करनी चाहिए। वहीं कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने वायनाड से पार्टी की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी के शपथ ग्रहण को संसद के लिए एक योग्य संसदीय प्रतिभा के रूप में जनता की आवाज की मजबूती की उपलब्धि कहा है। उन्होने केन्द्र सरकार के मंत्री रवनीत सिंह बिटटू के द्वारा प्रियंका गांधी के सांसद निर्वाचित होने को लेकर दिये गये बयान पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि प्रियंका गांधी के जनता से अदभुत संवाद रखने की क्षमता से भयभीत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर मोदी सरकार के मंत्री का यह बयान पूरी तरह राजनैतिक मर्यादा के विपरीत है। उन्होने कहा कि सांसद के रूप में प्रियंका गांधी अब राहुल गांधी का और मजबूती से साथ देते हुए जनता से जुड़े मुददो पर इण्डिया गठबंधन की आवाज को मुखर बनायेंगी। संसद में अदाणी प्रकरण पर लगातार गतिरोध को लेकर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने सत्तारूढ भाजपा को पूरी तरह से जिम्मेदार कहा है। उन्होनें कहा कि अमेरिका के न्यूयार्क अदालत में अदाणी के द्वारा भारत सरकार के अधिकारियों को ढाई सौ करोड़ की रिश्वतखोरी का संज्ञान लेना देश की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की साख की सुरक्षा के लिए सरकार को इस बडी रिश्वतखोरी के प्रकरण पर विपक्ष की जेपीसी गठन की मांग को स्वीकार करते हुए संसद में फौरन चर्चा की नैतिकता देश के सामने रखनी चाहिए। यूपी के संभल तथा अजमेर में धार्मिक स्थलों के सर्वे के नाम पर उत्पन्न अशांति के माहौल पर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि 1991 के धार्मिक उपासना स्थल विधेयक को पूरी तरह से लागू रखना चाहिए। कांग्रेस राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने पार्टी द्वारा बैलेट से चुनाव की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देश बैलेट पेपर से चुनाव करा रहे हैं। उन्होने कहा कि जहां ईवीएम का निर्माण हुआ है वहां भी बैलेट पेपर से ही चुनाव हो रहे हैं। उन्होने कहा कि लोकतंत्र की स्वस्थ परम्परा में हर दशा में चुनाव में निष्पक्षता दिखनी चाहिए। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी का बयान यहां शुक्रवार को मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

तारापुर में मीडिया वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में मनाया गया महात्मा फुले का समारोहपूर्वक परिनिर्वाण दिवस

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के तारापुर स्थित शंकर दीनदयाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में समाज सुधारक एवं राष्ट्रीय प्रबोधक ज्योतिबा फुले का परिनिर्वाण दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। गुरूवार की देर शाम मीडिया वेलफेयर सोसाइटी एवं नई दिल्ली के बाबू जगजीवनराम नेशनल फाउण्डेशन के तत्वाधान में स्मृति दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद डॉ. एसपी सिंह पटेल के प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह व रूरल बार के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले का जीवन दर्शन सामाजिक न्याय एवं सदभाव के साथ समतामूलक समाज की स्थापना की प्रेरणा है। उन्होने कहा कि ज्योतिबा फुले ने महिलाओं व पिछडों तथा अछूतों के उत्थान के प्रबल समर्थक थे। अध्यक्षता करते हुए रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने सदैव सभी वर्गो के लिए शिक्षा को अधिकार सम्पन्न बनाने की सार्थक पहल की। वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल त्रिपाठी महेश ने भी निर्धन तथा निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने में ज्योतिबा फुले के योगदान पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान विमलेश सिंह रहे। कार्यक्रम के संयोजक अधिवक्ता कुलभूषण शुक्ल ने महात्मा ज्योतिबा फुले के जीवन दर्शन की उपब्धियों पर प्रकाश डाला। संचालन विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमन यादव ने किया। शिक्षिका प्रिया मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत व प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष सोनम यादव ने आभार प्रदर्शन किया। वहीं स्मृति दिवस पर आयोजित स्लोगन, चित्र तथा वाद विवाद प्रतियोगिता एवं निबन्ध लेखन व क्विज प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओंकी उत्साहजनक भागीदारी दिखी। अतिथियों ने प्रथम एवं द्वितीय तथा तृतीय स्थान के मेधावियों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पंकज परदेशिया के सांस्कृतिक दल की प्रस्तुतियों पर देर रात तक ग्रामीण मंत्रमुग्ध दिखे। इस मौके पर प्रधान विद्युत मिश्र, सुनील माली, ऐश्वर्य शुक्ल, डॉ. ज्योत्सना शुक्ला, सुनील पाण्डेय, बाबूलाल शुक्ल, रामकृपाल यादव, रामशंकर यादव, मुकेश मिश्र, सचिन यादव, नागेन्द्र वर्मा, शिवशंकर यादव, श्याम लाल यादव, सुनील यादव, पूनम वर्मा आदि रहे।

क्षयरोगियों के लिए बने लाइफ लाइन, गोद लेकर दे रहे बेहतर आसरा

सुल्तानपुर(एजेंसी)। कभी–कभी आपके आसपास कुछ ऐसी घटनाएं घटित होती है, जिसे हम नजरअंदाज कर आगे बढ़ जाते है, जिससे हम जिंदगी के उस पहलू से रूबरू नहीं हो पाते जिसे हम अस्ल जिंदगी की चाशनी कह सकते है, हम बात कर रहे है 'टीबी बीमारी' की।

आज से पहले टीबी बीमारी जिसे हो जाती थी, तो उसका 'घर निकाला' हो जाता था, उसे मान लिया जाता था कि अब उसकी जीवन मुश्किल है, लेकिन नये भारत में अमूलचूक बदलाव व तरक्की ने कई असाध्य बीमारियों के इलाज पर सफलता हासिल कर ली है, उसी असाध्य बीमारी में क्षयरोग भी शामिल था। जिसे आजके नये भारत ने पक्का इलाज का नाम दिया है और क्षयरोग के समूल नाश के लिए देश आगे बढ़ रहा है, बस थोड़ा जन सहयोग की आवश्यकता है। सरकार क्षयरोगियों पर लाखों रुपए खर्च कर इलाज तो कर ही रही है, साथ ही प्रतिमाह 1 हजार रुपए भी देती है, जिससे मरीज उस पैसे का इस्तेमाल पौष्टिक आहार के सेवन पर खर्च करे। सरकार की मंशा है कि समाजिक संस्थाएं, आर्थिक रूप से सुदृढ व समाजसेवी आगे आए और क्षयरोगियों को गोद लेकर उनकी दवा–ईलाज, देखरेख और थोड़ा–बहुत उनके पौष्टिक आहार की व्यवस्था करें। तथा उनका हौसला बढाएं, उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए मुख्यधारा से जोड़ने में सहयोग करें। सरकार की मंशा और योजना से प्रेरित होकर ऐसे तीन लोग निकलकर सामने आए। जिन्होनें लगातार क्षयरोगियों को गोद लेने का सिलसिला जारी रखा है, इनमें मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक विजय राय, वाहन चालक संघ के मंत्री मोवसीम और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बिलाल अहमद अबतक इन कर्मचारियों ने दर्जनों क्षयरोगियों को गोद लेकर प्रतिमाह अपने वेतन से पौष्टिक आहार किट देने का काम कर रहे है, जो लोगों के लिए किसी मिसाल से कम नही है। मोवसीम व बिलाल अहमद दोनों सीएमओ कार्यालय में तैनात है। ऐसी समाजसेवा और इनके जज्बे को देखकर इन्हें सैल्यूट है, स्वयं डीटीओ डांआरके कन्नौजिया ने तारीफ करते हुए कहाकि विजय राय, मोवसीम और बिलाल अहमद के सुकृत्य से लोगों को प्रेरणा लेकर क्षयरोगियों को गोद लेकर उनके जीवन में रंग और उमंग भरने की कोशिश करना चाहिए। उक्त अवसर पर जिला क्षयरोग अधिकारी डांआरके कन्नौजिया, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक सुरेश कुमार, वरिष्ठ टीबी लैब पर्यवेक्षक केके तिवारी, एलटी राजीव लोचन पांडेय व गोद लिए गए दोनों मरीज मौजूद रहे।

कसाडा की बैठक में स्तूप, मंदिर के तरफ नो वेडिंग जोन का बोर्ड लगाए का दिया गया निर्देश

कुशीनगर, । जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में कसाडा के आगामी बोर्ड बैठक के प्रस्ताव एवं ई0पी0सी0 मोड में कराए जाने वाले भवन कार्यों से संबंधित मॉनिटरिंग हेतु जनपद स्तर पर गठित तकनीकी प्रकोष्ठ समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान प्रथम बिंदु टैक्स वसूली की कार्यवाही के संबंध में गृह कर, जलकर का शत प्रतिशत वसूली किए जाने की जानकारी संबंधित द्वारा दी गई। विश्व बैंक सहायतित प्रो0 –पुअर पर्यटन विकास परियोजना अंतर्गत बौद्ध पर्यटन स्थल में पर्यटन विभाग की भूमि पर पूर्व से जर्जर पड़े बन विपत्सना के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों के संबंध में चर्चा के दौरान अभी तक मंदिर क्षेत्र में पार्किंग स्थल न बनाए जाने पर जिलाधिकारी द्वारा इस कार्य को शीघ्र कराए जाने के निर्देश दिए गए एवं विपश्यना पार्क का रिनोवेशन की कार्यवाही पूर्ण किए जाने हेतु क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी को निर्देशित किया गया। मंदिर क्षेत्र में वेंडर जोन स्थापित किए जाने के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा संबंधित से एनओसी प्राप्त करने के बाद ही कार्य किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अलावे वेंडर को कहां स्थापित किया जाना है ये भी तय कर लिए जाएं, अन्यथा ऐसा न हो कि जहां से हटाया जाय फिर अगले दिन वहीं पर दुबारा आ जाएं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि स्तूप साइड में कोई वेंडर नहीं रहेगा तथा नो वेडिंग जोन का बोर्ड भी लगा दिए जाएं। रामाभार स्तूप से देवरिया मोड़ तक सीसी रोड बनाए जाने के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जो काम स्वीकृत, सेंशन हो वहीं काम होना चाहिए तथा प्राप्त धन के सापेक्ष कार्य कराए जाएं। पर्यटन विकास से संबंधित बिंदुओं पर चर्चा के दौरान लाइट एंड साउंड संबंधित कार्यों की अद्यतन जानकारी जिलाधिकारी द्वारा ली गई तथा संस्कृति विभाग की भूमि पर इंटीग्रेटेड बुद्धिस्ट सर्किट योजना के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि उच्च स्तर, शासन स्तर पर जो निर्णय लिया जाएगा। उसी अनुरूप कार्य कराए जाएंगे। विद्युत विभाग द्वारा कराए जाने वाले कार्यों के क्रम में अवगत कराया गया कि लाइट शिफ्टिंग का कार्य 50 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है तथा अवशेष कार्य हेतु धन प्राप्त हो गया है। जिसे शुरू करा दिया गया है। बैठक के दौरान तहसील द्वारा मान चित्र उपलब्धा कराने, रोडवेज बसों द्वारा विभिन्न बौद्ध स्थलों पर बस संचालन, मैत्रेय कन्वर्जन की स्थिति की जानकारी, विनियमित क्षेत्र का चिन्हांकन, बैठक के दौरान कसाडा अंतर्गत विक्टोरियन लाइटें, साइनेज बोर्ड लगाने बुद्ध मार्ग पर अंडर ग्राउंड विद्युतीकरण सहित नक्शा पास कराने हेतु नागरिक उड्डयन विभाग से एनओसी प्राप्त करने आदि के विभिन्न प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट अनिल कुमार, तहसीलदार कसया धर्मवीर सिंह, प्रभारी सहयुक्त नियोजक गोरखपुर परमेश कुमार, सी ए शादाब खान, ईओ कसया अंकिता शुक्ला, प्राण रंजन सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सृष्टि के सार है भगवान कृष्ण चंद्र- बालकृष्ण दास

सुल्तानपुर(एजेंसी)। सृष्टि का सार भगवान कृष्ण चंद्र है, वे परम सत्य हैं सच्चिदानंद स्वरूप हैं। यह शरीर और संसार उनकी माया का कार्य है। उक्त उद्गार लंभुआ क्षेत्र के भदैया गांव में चल रही संगीतमई श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन ब्रज विभूति श्री 108 विनोद बिहारी दास जी महाराज के कृपाश्रित शिष्य बालकृष्ण दास जी ने कही। कथा क्रम को आगे बढ़ाते हुए भागवताचार्य पंडित बालकृष्ण दास ने कहा की अनंतकोटि जीव भगवान की जीव शक्ति का अंश है। जब हम उन्हीं के अंश हैं तो हमारा कर्तव्य है कि उन्हें जानकर उनमें स्थित हो जाए और उनको प्राप्त कर ले। भगवान से हमारा जो संबंध है उनका स्मरण कर उनके चरण कमल को प्राप्त कर लें। कथा के बीच में वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा भव्य झांकी भी निकल गई। मुख्य यजमान बृजमोहन मिश्रा व सुभद्रा मिश्रा ने भागवत भगवान की आरती की। इस मौके पर दुर्गेश मिश्रा, देवेंद्र मिश्रा, किशन, गोपाल मिश्रा, अमरेज सिंह समेत बड़ी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

भूखे को निस्वार्थ और निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराना सर्वोपरि-डा. पवन

सुल्तानपुर(एजेंसी)। जिले की अग्रणी सामाजिक संगठन राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ द्वारा निःशुल्क रसोई के अंतर्गत साप्ताहिक कार्यक्रम में सप्ताह के प्रत्येक बृहस्पतिवार को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयधजिला अस्पताल एवं रेलवे स्टेशन पर में मरीजों तीमारदारों, यात्रियों तथा जरूरतमंदों को शुद्ध पौष्टिक गरम ताजा मुफ्त भोजन जन सहयोग के माध्यम से लगातार उपलब्धा कराया जा रहा है।

देर सायं बृहस्पतिवार को सगठन के अध्यक्ष मेराज अहमद खान के संयोजन में मेडिकल कालेज में कार्यरत सुप्रसिद्ध फिजिशियन डॉ पवन सिंह ने खुशियों की थाली जरूरतमंदों को देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने भोजन स्टाल से भी भोजन को परोसा । उन्होंने कहा भूखे को निस्वार्थ और निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराना बहुत बड़ा परोपकार का कार्य है। उधर रेलवे स्टेशन पर डिप्टी स्टेशन अधीक्षक अफसर खान ने जरूरतमंदो को निःशुल्क भोजन की थाल वितरित किया। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के मार्गदर्शक निजाम खान ने बताया कि मेन्यू में अरहर की दाल सब्जी रोटी और चावल शामिल था। सगठन के कार्यकर्ताओं ने मेडिकल कॉलेज में 283और रेलवे स्टेशन पर 134 कुल 417 खुशियों की थाली वितरित कर जरूरतमंदों की भूख मिटाई।इस मौके पर जिया सिद्दीकी, नफीसा बानो, संतोष चौरसिया, हाजी मुजतबा अंसारी, डॉ शादाब खान, सरदार गुरुप्रीत सिंह, राशिद खान, लईक अहमद, इश्तियाक अहमद, राशिद वर्दी टेलर, अब्दुल वदूद मिलियन टेलर, आसिफ, अबरार अहमद, सद्दाम खान जोली, माता प्रसाद, बैजनाथ प्रजापती आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

अंतर महाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन

सुलतानपुर(एजेंसी)। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा कल्पना शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान हैदरगंज, अम्बेडकर नगर में अंतर महाविद्यालय खो – खो (पुरुष वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें गनपत सहाय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही। महाविद्यालय के प्रबंधाक डॉ ओम प्रकाश पाण्डेय 'बजरंगी' ने पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि जीत और हार दोनों ही सफलता के पहलू हैं इसलिए निरंतर प्रयास जारी रखना चाहिए जब तक सफलता प्राप्त न हो जाए। महाविद्यालय के प्रबंध समिति के सदस्य आशीष पाण्डेय 'सनी' ने उपविजेता टीम का हौसला बढ़ाया और कहा कि टीम का फाइनल में पहुंचना आपकी मेहनत और प्रयास को दर्शाती है जिसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अंग्रेज सिंह 'राणा' ने टीम को शुभकामनाएं दी और सलाह दिया कि अगर सफलता प्राप्त करनी है तो अपनी गलतियों से सीखना चाहिए और कोशिश करते रहना चाहिए। टीम मैनेजर डॉ रवीन्द्र शुक्ला ने टीम के प्रयासों की सराहना कि और आश्वस्त किया कि अगली बार हम फाइनल में विजेता बनेंगे।इस अवसर पर प्रो शाहिद, प्रो शक्ति सिंह, डॉ विक्रमादित्य, डॉ अरविंद द्विवेदी आदि शिक्षकों ने टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की।

घर वापस जा रहे व्यवसाई की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

बल्दीरायध्सुलतानपुर(एजेंसी)। थाना क्षेत्र बल्दीराय के देवरा मुसाफिरखाना मार्ग पर टीबीएस एजेन्सी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यवसाई की मौत हो गई। बल्दीराय कस्बा निवासी तुलसीराम अग्रहरि उम्र 65 वर्ष पुत्र घिर्राऊ की बिंदेश्वरीगंज कस्बे में वर्तन की दुकान है। रोज की तरह वह अपनी दुकान से घर बल्दीराय वापस अपनी हैबी ड्यूटी गाड़ी से आ रहे थे। टीबीएस एजेंसी के पास पहुंचे ही थे कि विपरीत दिशा से आ रहे लगभग आधा दर्जन वाहन में से किसी अज्ञात वाहन ने युवक को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये। राहगीरो की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। घायल व्यवसाई को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बल्दीराय ले जाया गया जहां इलाज शुरू होने के पूर्व ही व्यवसाई की मौत हो गई। थानाध्यक्ष बल्दीराय ने बताया कि परिजनो की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

एसडीएम बल्दीराय के खिलाफ अधिवक्ताओ ने खोला मोर्चा

बल्दीरायध्सुलतानपुर(एजेंसी)। अधिवक्ताओ के एक प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन मुख्य विकास अधिकारी को सौंपा है। बल्दीराय तहसील के एसडीएम आईएएस गामिनी सिंगला से जुड़ा है। तहसील के अधिवक्ता संघ द्वारा खासतौर से राजस्व एसडीएम बल्दीराय के खिलाफ मोर्चा खोला है। अधिवक्ता संघ का आरोप है कि जब वादी प्रतिवादी के अधिवक्ता नामित है फिर भी संबंधित अधिवक्ताओ को बगैर जानकारी दिए सीधे संपर्क कर मनमानी आदेश किए जा रहे है । अधिवक्ता संघ तब से लगातार न्यायिक कार्य से विरत है फिर भी मुदकमे में सुनवाई की जा रही है।

शुक्रवार को न्यू अवध बार एसोसिएशन के एक प्रतिनिधि मंडल ने कलेक्ट्रेट स्थित जनता दरबार मे मौजूद सीडीओ अंकुर कौशिक को ज्ञापन सौंपा है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।